Chowgule Education Society's
Parvatibai Chowgule College of Arts and Science
Autonomous
Accredited by NAAC with Grade 'A+'
Best Affiliated College-Goa University Silver Jubilee Year Award

APPROVED SYLLABUS
DEPARTMENT OF HINDI (UG)

COURSE STRUCTURE

SEMESTER	MAJOR CORE	MINOR/ VOCATIONAL	MULTIDISCIPLINARY COURSE (MDC)	VALUE ADDED COURSES (VAC)	ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC)	SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)
I	**UG- HIN-101:** हिंदी कहानी एवं शब्दसाधन	**UG-HIN-102:** हिंदी गीत: परंपरा और प्रयोग	**UG-HIN-MDC1:** सृजनात्मक लेखन	**UG-HIN-VAC1:** योग शिक्षण **UG-HIN - VAC2:** भारतीय संविधान :मूल्य, अधिकार एवं कर्तव्य	**UG-___- AEC1: (for English)**	**UG-HIN-SEC1:** हिंदी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक)
II	**UG-HIN-103:** हिंदी कविता एवं काव्यसौंदर्य	**UG-HIN-104:** हिंदी लघुकथा	**UG-HIN-MDC2:** व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन	**UG-HIN-VAC3:** गोवा प्रदेश और पर्यटन	**UG-HIN-AEC1:** श्रवण एवं संभाषण कौशल **(for MIL)** **UG-___- AEC2: (for English)**	**UG-HIN-SEC2:** हिंदी एकांकी
III	**UG-HIN-201:** हिंदी नाटक: वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म	**UG-HIN-203 :** हिंदी निबंध	**UG-HIN-MDC3:** लोक साहित्य	--------	**UG-HIN-AEC2:** वाचन एवं लेखन कौशल **(for MIL)**	**UG-HIN-SEC3:** हिंदी साहित्य और सिनेमा

	UG-HIN-202: हास्य–व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता					
IV	**UG-HIN-204:** हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल	UG-HIN-VOC 1 हिंदी अनुवाद				
	UG- HIN -205: मध्यकालीन काव्य चयनित कविताएँ					
	UG-HIN-206: प्रयोजनमूलक हिंदी: अनुवाद एवं पत्रलेखन					
	UG-HIN-207: विशेष अध्ययन : हिंदी कहानी					
V	**UG-HIN-301:** हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	**UG-HIN-VOC 2** ई-पत्रकारिता				
	UG-HIN-302: भारतीय काव्यशास्त्र					
	UG-HIN-303: हिंदी पत्रकारिता : मुद्रित एवं इलेक्ट्रॉनिक					
VI	**UG-HIN-304:** पाश्चात्य काव्यशास्त्र	**UG-HIN-VOC3** मनोरंजन क्षेत्र और हिंदी				
	UG-HIN-305: हिंदी उपन्यास					
	UG-HIN-306: हिंदी भाषा, लिपि एवं व्याकरण					
	UG-HIN-307: PROJECT					
VII	**UG-HIN-401:** भाषाविज्ञान	**UG-HIN-405:** हिंदी महिला लेखन				
	UG-HIN-402: मीडिया लेखन : रेडियो एवं टेलीविजन					
	UG-HIN-403: कथेत्तर गद्य साहित्य :					

	रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रावृतांत, आत्मकथा एवं जीवनी (किसी विधा की एक पाठ्यपुस्तक)					
	UG-HIN-404: नाटक एवं रंगमंच					
VIII	**UG-HIN-406:** भारतीय साहित्य	**UG-HIN-410** हिंदी दलित लेखन				
	UG-HIN-407: हिंदी साहित्य में विविध विमर्श					
	UG- HIN -408: आलोचक और आलोचना					
	UG-HIN-409: आधुनिक हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि					

Parvatibai Chowgule College of Arts And Science (Autonomous) Margao
Department Of Hindi
Programme Outcomes (POs)

PO-1: ENHANCEMENT OF KNOWLEDGE AND LIFELONG LEARNING	Graduates will demonstrate a commitment to knowledge through deeper learning, use of technology and lifelong learning, continuously seeking opportunities for personal growth, intellectual curiosity, and self-reflection, while fostering a balance between academic, professional and personal dimensions of life.
PO-2: MULTIDISCIPLINARY APPROACH AND ADAPTABILITY	Graduates will demonstrate the ability to integrate knowledge and methodologies from multiple disciplines, fostering an understanding of complex issues and solutions across diverse fields. They will exhibit flexibility and adaptability in their academic pursuits, personal life and professional endeavors, demonstrating the capacity to embrace change, learn new concepts, and apply skills effectively in evolving contexts.
PO-3: VOCATIONAL SKILLS AND RESEARCH APTITUDE	Graduates will demonstrate vocational competence in their chosen field(s) of study, including practical skills, technical knowledge and professional competencies. They will be equipped with research and innovation skills including the ability to identify opportunities, develop novel solutions, and apply knowledge in practical contexts, fostering a spirit of innovation and contributing to economic and societal advancement.
PO-4: ETHICS AND SOCIAL RESPONSIBILITY	Graduates will demonstrate ethical awareness and social responsibility from a local to global perspective, engaging in community-based initiatives while recognizing their interconnectedness with global challenges and solutions. They will demonstrate their sensitiveness to intercultural competence, environmental change and a commitment to ethical and responsible citizenship in a diverse and interconnected world, fostering a sense of empathy, respect, and engagement with communities.

PROGRAMME LEARNING OUTCOMES (PSO)

Programme Learning Outcome (PSO)	**Short Title of the Pos**	**Description of the Programme Specific Outcomes** **Graduates will be able to :**
PSO-1	भाषिक क्षमता	भाषा कौशल, भाषा विज्ञान, व्याकरण एवं माध्यम लेखन के अध्ययन से भाषिक क्षमता का विकास होगा।
PSO-2	साहित्य की विविध विधाओं में चित्रित विविध विमर्शों,काव्य सिद्धांतों का आस्वादन मूल्यांकन एवं प्रायोगिकता।	साहित्य की विविध विधाओं, विमर्शों तथा काव्य सिद्धांतों के आस्वादन एवं मूल्यांकन द्वारा मानवीय संवेदना के साथ तुलनात्मक दृष्टि विकसित होगी तथा रंगमंचीय प्रयोगों से अधिगम क्षमता का विकास होगा।
PSO-3	जीवन मूल्य, स्वास्थ्य एवं सामाजिक कर्तव्यों का अनुपालन।	साहित्य में चित्रित जीवन मूल्य, स्वास्थ्य एवं सामाजिक तथा मानवी कर्तव्यों का ज्ञान प्राप्त होगा।
PSO-4	रोजगारपरक एवं व्यावहारिक विषयों का अध्ययन।	हिंदी के रोजगारपरक स्वरूप एवं विविध क्षेत्र का अध्ययन करने से सरकारी एवं गैरसरकारी क्षेत्रों में व्यावसायिक अनुप्रयोग की क्षमता विकसित होकर रोजगार के अवसर तलाशने में सक्षम होंगे।

COURSE LEARNING OUTCOME

Sem	Course Code	Course Name	Credit	CLO	Alignment/ Mapping
I	**UG- HIN -101**	हिंदी कहानी एवं शब्दसाधन	4	CLO1: प्रेमचंद पूर्व युगीन कहानीकार एवं कहानियों से अवगत होंगे। । CLO2: प्रेमचंद युगीन कहानीकार एवं कहानियों में चित्रित जीवन मूल्यों को समझेंगे। CLO3: प्रेमचंदोत्तर युगीन कहानीकार एवं कहानियों का तत्त्वों के आधार पर समीक्षा करेंगे। । CLO4: व्याकरण को समझने में सक्षम होंगे तथा व्याकरणिक दृष्टि से हिंदी शुद्ध लेखन में भी प्रवीण होंगे।	PO1, PO4 PSO1, PSO2
	UG-HIN-102	हिंदी गीत: परंपरा और प्रयोग	4	CLO1: हिंदी गीत की अवधारणा एवं स्वरूप से अवगत होंगे। CLO2: हिंदी गीत के उद्भव एवं विकास को समझेंगे।	PO1, PO4 PSO1, PSO2

				CLO3: हिंदी के प्रमुख गीतकार से परिचित होंगे। CLO4: हिंदी गीतों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करने में सक्षम होंगे।	
	UG-HIN-MDC1	सृजनात्मक लेखन	3	CLO1: सृजनात्मक लेखन के अवधारणा, स्वरूप महत्त्व, उद्देश्य, आवश्यकता एवं लेखन प्रक्रिया से अवगत होंगे। CLO2: कहानी एवं कविता लेखन के तत्वों से परिचित होकर रचना कौशल विकसित होगा। CLO3: यात्रावृतांत एवं डायरी लेखन के तत्व और प्रकार से अवगत कराते हुए लेखन कार्य में सक्षम होंगे।	PO1, PO2, PO4 PS01, PSO2, PS03, PSO4
	UG-HIN-VAC1	योग शिक्षण	2	CLO1: योग की अवधारणा, स्वरूप, महत्त्व, उद्देश्य एवं प्रकार को समझेंगे। CLO2: सामाजिक स्वास्थ्य हेतु योग की आवश्यकता को समझेंगे तथा योग प्रशिक्षण हेतु तैयार होंगे।	PO1, PO3, PO4 PSO1, PSO3
	UG-HIN - VAC2	भारतीय संविधान : मूल्य, अधिकार एवं कर्तव्य	2	CLO1: भारतीय संविधान का परिचय, प्रस्तावना एवं विशेषताओं से अवगत होंगे। CLO2: भारतीय संविधान में निहित संवैधानिक मूल्य, संवैधानिक अधिकार एवं मानवी कर्तव्यों से परिचित होंगे।	PO1, PO4 PSO1, PSO3
	UG-HIN - SEC1	हिंदी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक)	3	CLO1: पथनाट्य की अवधारणा और स्वरूप एवं तत्वों के साथ सामाजिक सरोकारों से अवगत होंगे। CLO2: नुक्कड़ नाटकों का तात्विक विवेचन करेंगे। CLO3: पथनाट्य लेखन एवं प्रस्तुतीकरण कला, अभिनय कौशल में सक्षम होंगे।	PO1, PO3, PO4 PSO1, PS02, PSO3
II	**UG-HIN-103**	हिंदी कविता एवं काव्यसौंदर्य	4	CLO1: मध्ययुगीन कवियों और उनकी कविताओं से अवगत कराना। CLO2: आधुनिक कवियों और उनकी कविताओं की व्याख्या करने में सक्षम होंगे। CLO3: आधुनिक कविताओं में चित्रित समाज	PO1, PO4 PSO1, PSO2

				जीवन को समझेंगे। CLO4: काव्यसौंदर्य के अंतर्गत अलंकार, छंद का ज्ञान प्राप्त होगा।	
	UG-HIN -104	हिंदी लघुकथा	4	CLO1: हिंदी लघुकथा की अवधारणा एवं स्वरूप, तत्व, विशेषताओं से अवगत होंगे। CLO2: प्रमुख लघुकथाकारों का सामान्य परिचय प्राप्त होगा। CLO3: प्रेमचंद, यशपाल जैन और शरद जोशी की लघुकथाओं के माध्यम से जीवन मूल्यों को समझेंगे। CLO4: निधि जैन, पद्मजा शर्मा और रोहित कुमार की लघुकथाओं का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।	PO1, PO4 PSO1, PSO2, PSO3
	UG- HIN -MDC2	व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन	3	CLO1: व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन की अवधारणा, स्वरूप, आवश्यकता, महत्त्व एवं प्रकारों से अवगत होंगे। CLO2: व्यावहारिक लेखन में स्ववृत्त लेखन, आवेदन पत्र , विज्ञापन एवं समाचार लेखन करने में सक्षम होंगे। CLO3: रचनात्मक लेखन में पटकथा लेखन, वार्ता लेखन, साक्षात्कार एवं रिपोर्ताज लेखन कर सकेंगे।	PO1,P02, PO3, PO4 PS01, PSO2 PSO4
	UG- HIN -VAC3	गोवा प्रदेश और पर्यटन	2	CLO1: गोवा प्रदेश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, भौगोलिक पृष्ठभूमि, पर्यटन का महत्त्व और उसकी आवश्यकता से अवगत होंगे। CLO2: प्रमुख पर्यटन स्थलों, भाषा तथा पर्यटन के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव को समझेंगे।	PO1, PO4 PSO3, PSO4
	UG- HIN -AEC1	श्रवण एवं संभाषण कौशल	2	CLO1: श्रवण कौशल्य का स्वरूप,महत्त्व,उद्देश्य, विशेषताएँ एवं उसके सुधार के उपाय समझाना। CLO2: संभाषण कौशल्य का स्वरूप, महत्त्व, उद्देश्य, विशेषताएँ एवं उसके सुधार के उपायों को समझकर संभाषण कला में सक्षम होंगे।	PO1, PO2 PSO1, PSO4

	UG- HIN -SEC2	हिंदी एकांकी	3	CLO1: एकांकी की अवधारणा, स्वरूप, तत्व, उद्भव एवं विकास से परिचित होंगे। CLO2: 'भोर का तारा' और 'धीरे बहो गंगा' एकांकी के माध्यम से उसके ऐतिहासिक एवं सामाजिक पक्ष से अवगत होकर समीक्षा कर सकेंगे। CLO3: 'आवाज नीलाम' और 'जुलूस' एकांकी के माध्यम से उसके राजनीतिक पक्ष से अवगत होकर अभिनय, संवाद और प्रस्तुतीकरण में निपुण होंगे।	PO1,PO2, PO4 PSO1, PSO2 PSO3, PSO4
III	**UG- HIN -201**	हिंदी नाटक: वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म	4	CLO1: नाटक की अवधारणा, स्वरूप एवं तत्वों से परिचित होंगे। CLO2: असगर वजाहत का परिचय तथा 'जिस लाहौर नई देख्या ओ जम्याइ नई' नाटक के माध्यम से सांप्रदायिक सद्भाव एवं मानवीय मूल्यों को समझने में सक्षम होंगे। CLO3: नाट्य तत्वों के आधारपर 'जिस लाहौर नई देख्या ओ जम्याइ नई' नाटक की समीक्षा करेंगे। CLO4: वृत्तचित्र एवं फीचर लेखन के सैद्धांतिक पक्ष तथा उसके अंतर को समझने में सक्षम होंगे।	PO1, PO4 PSO1, PSO2, PSO3,PSO4
	UG- HIN -202	हास्य-व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता	4	CLO1: निबंध विधा का परिचय कराते हुए हास्य-व्यंग्य की अवधारणा तथा स्वरूप को समझेंगे । CLO2: नया साल, अपना मकान, पगडंडियों का जमाना एवं मोची भया उदास निबंधों में चित्रित व्यंग्य को समझकर उनकी समीक्षा करेंगे। CLO3: अध्यक्ष महोदय, घूस एक चिकनाई है, धमाका, एवं 'अच्छी हिंदी' निबंधों में चित्रित व्यंग्य समझने में सक्षम होंगे। CLO4: पत्रकारिता का सामान्य परिचय, भेद, उपयोगिता एवं महत्व से अवगत होंगे।	PO1, PO4 PSO1, PSO2, PSO3,PSO4
	UG- HIN-203	हिंदी निबंध	4	CLO1: निबंध के स्वरूप, तत्व एवं भेदों की जानकारी प्राप्त करेंगे। CLO2: हिंदी के प्रमुख निबंधकार एवं उनके निबंधों का विवेचन कर सकेंगे।	PO1, PO4 PSO1,PSO2, PSO3

				CLO3: कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर एवं उनके निबंधों का मार्मिक अध्ययन करने में सक्षम होंगे। CLO4: निर्धारित निबंधों की समीक्षा करने में सक्षम होंगे।	
	UG- HIN -MDC3	लोक साहित्य	3	CLO1: लोक साहित्य की अवधारणा, स्वरूप तथा लोक और साहित्य के अंत:संबंध एवं लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याओं से अवगत होंगे। CLO2: लोक साहित्य के अंतर्गत लोक गीत एवं लोक कथा के प्रमुख प्रकारों का वर्गीकरण करेंगे। CLO3: लोक नृत्य, लोकनाट्य एवं लोक भाषा के अंतर को समझने में सक्षम होंगे।	PO1, PO2, PO3, PO4 PSO1, PSO2, PSO3,PSO4
	UG -HIN -AEC2	वाचन एवं लेखन कौशल	2	CLO1: वाचन कौशल का स्वरूप, महत्व,उद्देश्य, विशेषताएँ एवं सुधार के उपायों से अवगत होकर हिंदी भाषा के व्यवहार में सक्षम होंगे। CLO2: लेखन कला का स्वरूप, महत्व, उद्देश्य,विशेषताएँ एवं सुधार के उपायों से अवगत होकर सृजनात्मक लेखन कला विकसित होगी।	PO1, PO2, PO4 PSO1, PSO2, PSO4
	UG- HIN -SEC3	हिंदी साहित्य और सिनेमा	3	CLO1: हिंदी सिनेमा की अवधारणा, स्वरूप एवं उद्भव एवं विकास से अवगत होंगे। CLO2: साहित्य और सिनेमा का अंतर्संबंध तथा साहित्य से फिल्मांतरण की प्रक्रिया एवं उसकी समस्याओं का विवेचन करने में सक्षम होंगे। CLO3: निर्धारित फिल्मों की तुलना एवं समीक्षा करेंगे।	PO1, PO2 PO3, PO4 PSO1, PSO2 PSO3 PSO4
IV	**UG- HIN -204**	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)	4	CLO1: आदिकालीन साहित्य की परिस्थितियों, रासो काव्य परंपरा, सिद्ध, जैन एवं नाथ काव्य परंपरा का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान प्राप्त होगा। CLO2: भक्ति आंदोलन की पृष्ठभूमि, परिवेश एवं भक्ति साहित्य की परिस्थितियों से अवगत होंगे। CLO3: निर्गुण एवं सगुण भक्ति काव्य का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियों से अवगत	PO1, PO4 PSO1, PSO2, PSO3

				होकर अंतर समझेंगे। CLO4: रीतिकालीन साहित्य की परिस्थितियाँ और रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियों का विश्लेषण करेंगे।	
	UG- HIN -205	मध्यकालीन काव्य चयनित कविताएँ	4	CLO1: निर्गुण भक्ति काव्य के कवि और उनके विचारों से अवगत होंगे । CLO2: सगुण भक्ति काव्य के कवियों से परिचित होकर काव्य की प्रासंगिकता को समझेंगे। CLO3: भूषण का वीरकाव्य और मीरा की भक्तिभावना को समझने में सक्षम होंगे। CLO4: बिहारी की श्रृंगारिकता और घनानंद के कवित्त का विवेचन एवं विश्लेषण करेंगे।	PO1, PO4 PS01, PSO2. PSO3
	UG- HIN -206	प्रयोजनमूलक हिंदी : अनुवाद एवं पत्रलेखन	4	CLO1: प्रयोजनमूलक हिंदी अर्थ, विविध क्षेत्र तथा रोजगार के अवसरों से परिचित होंगे। CLO2: राजभाषा के रूप में हिंदी का विकास एवं राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधानों को समझेंगे। CLO3: अनुवाद का स्वरूप, प्रकार को समझकर अनुवाद कार्य करने में सक्षम होंगे। CLO4: व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्र लेखन में निपुण होंगे।	PO1, PO3, PO4 PSO1, PSO3, PSO4
	UG- HIN -207	विशेष अध्ययन : हिंदी कहानी	4	CLO1: हिंदी कहानी की अवधारणा, स्वरूप, तत्व एवं उसकी विकासयात्रा को समझेंगे। CLO2: प्रेमचंद की कहानियों का मूल्यांकन करेंगे। CLO3: फणीश्वरनाथ रेणु की आंचलिक कहानियों का तात्विक विवेचन कर सकेंगे। CLO4: सूर्यबाला की कहानियों की समीक्षा करने में सक्षम होंगे।	PO1, PO4 PSO1, PSO2, PSO3
	UG- HIN –VOC 1	हिंदी अनुवाद	4	CLO1: अनुवाद का स्वरूप, महत्त्व एवं उसकी आवश्यकता को समझेंगे। CLO2: अनुवाद के प्रकार,प्रक्रिया से अवगत होंगे। CLO3: अनुवाद के क्षेत्र एवं उसकी समस्याओं से परिचित होंगे। CLO4: अनूदित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन करने में सक्षम होंगे।	PO1, PO3, P04 PSO1, PSO2, PSO4

	UG-HIN-301	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	5	CLO1:आधुनिक हिंदी साहित्य के काल विभाजन, परिवेश एवं परिस्थितियों से परिचित होंगे। CLO2:स्वतंत्रतापूर्व काव्य एवं उनकी प्रवृत्तियों से अवगत होंगे। CLO3: स्वातंत्र्योत्तर काव्य एवं उनकी प्रवृत्तियों का विवेचन एवं विश्लेषण करने में सक्षम होंगे। CLO4: आधुनिक काल की गद्य विधाओं के उद्भव एवं विकास को समझेंगे।	PO1, PO4 PSO1, PSO2, PSO3
	UG-HIN-302	भारतीय काव्यशास्त्र		CLO1: काव्य की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे। CLO2: रस एवं अलंकार सिद्धांत का विवेचन करेंगे। CLO3: ध्वनि एवं रीति सिद्धांत का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे। CLO4: वक्रोक्ति एवं औचित्य सिद्धांत को समझेंगे।	PO1, PO4 PSO1, PSO2, PSO3
	UG-HIN-303	हिंदी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रॉनिक		CLO1:हिंदी पत्रकारिता की अवधारणा एवं स्वरूप से अवगत होंगे । CLO2:पत्रकारिता के प्रकार एवं पत्रकारिता संबंधी कानून को समझने में सक्षम होंगे। CLO3:हिंदी की मुद्रित पत्रकारिता से परिचित होंगे। CLO4: हिंदी की इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता का विवेचन एवं विश्लेषण करेंगे।	PO1, PO3, PO4 PSO1, PSO2, PSO3, PSO4
	UG-HIN-VOC 2	ई-पत्रकारिता		CLO1: ई-पत्रकारिता की अवधारणा, उद्भव एवं विकास,विशेषताएँ तथा महत्त्व से अवगत होंगे। CLO2: ई-पत्रकारिता के प्रकारों की जानकारी प्राप्त होगी। CLO3: ई-पत्रकारिता की कार्यप्रणाली, उपकरण एवं कानून को समझेंगे। CLO4: ई-पत्रकारिता के व्यावहारिक कार्य करने में सक्षम होंगे।	PO1, PO3, PO4 PSO1, PSO2, PSO3, PSO4
	UG-HIN-304	पाश्चात्य काव्यशास्त्र		CLO 1: प्लेटो और अरस्तू के साहित्य संबंधी विचारों से अवगत कराते हुए तुलना करने में सक्षम होंगे। CLO 2: मैथ्यू आरनाल्ड और टी.एस.इलिएट	PO1, PO4 PSO1, PSO2, PSO3

				के सिध्दांतो का विश्लेषण करेंगे। CLO 3: क्रोचे और लोंजाइनस के सिध्दांतों का विवेचन करेंगे। CLO 4: आई. ए.रिचर्ड्स और कार्ल मार्क्स के साहित्य संबंधी सिध्दांतों की समीक्षा करेंगे।	
	UG-HIN-305	हिंदी उपन्यास		CLO1: उपन्यास के स्वरूप, तत्व एवं विकासक्रम से परिचित होंगे। CLO2: हिंदी रचनाकारों का सामान्य परिचय प्राप्त होगा। CLO3: 'गंगामैया'उपन्यास के माध्यम से ग्रामीण परिवेश की विभिन्न परिस्थितियों का विवेचन करेंगे। CLO4: 'दौड़' उपन्यास के माध्यम से उसकी मूल संवेदना एवं भूमंडलीकरण की अवधारणा को समझने में सक्षम होंगे।	PO1, PO4 PSO1, PSO2, PSO3
	UG-HIN-306	हिंदी भाषा, लिपि एवं व्याकरण		CLO1: हिंदी भाषा की पृष्ठभूमि एवं उसके विकास से परिचित होंगे। CLO2: देवनागरी लिपि के स्वरूप एवं मानकीकरण का ज्ञान प्राप्त होगा। CLO3: हिंदी के स्वर-व्यंजन, विकारी एवं अविकारी शब्दों से संबंधित ज्ञान प्राप्त होगा। CLO4: संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया के रूपान्तरण को समझने में सक्षम होंगे।	PO1, PO4 PSO1, PSO3
	UG-HIN-VOC 3	मनोरंजन क्षेत्र और हिंदी		CLO1: मनोरंजन का अर्थ, स्वरूप एवं महत्त्व से अवगत होंगे। CLO2: रेडियो में हिंदी भाषा के प्रयोग का महत्त्व समझेंगे। CLO3: टेलीविज़न एवं सिनेमा में प्रयुक्त हिंदी भाषा से परिचित होंगे। CLO4: सोशल मीडिया में प्रयुक्त हिंदी भाषा का विवेचन एवं विश्लेषण करेंगे।	PO1, PO3, PO4 PSO1, PSO2, PSO3, PSO4

Annexure A

(To be implemented w.e.f. Acad. Year 2025 - 2026)

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE

F.Y.B.A - (Semester – I)
Core Paper

Paper Title: हिंदी कहानी एवं शब्द साधन

Paper Code: UG-HIN-101
Credits: 04
Marks: 100
Duration: (60 Lectures)

Course Objective:

1) प्रेमचंद पूर्व युगीन कहानीकार एवं कहानियों से अवगत कराना।
2) प्रेमचंद युगीन कहानीकार एवं कहानियों चित्रित जीवन मूल्यों को समझाना।
3) प्रेमचंदोत्तर युगीन कहानीकार एवं कहानियों का तत्वों के आधारपर समीक्षा कराना।
4) व्याकरण को समझने में सक्षम कराना तथा व्याकरणिक दृष्टि से हिंदी शुद्ध लेखन में भी प्रवीण कराना।

Course Outcome:

1) प्रेमचंद पूर्व युगीन कहानीकार एवं कहानियों से अवगत होंगे।
2) प्रेमचंद युगीन कहानीकार एवं कहानियों में चित्रित जीवन मूल्यों को समझेंगे।
3) प्रेमचंदोत्तर युगीन कहानीकार एवं कहानियों का तत्वों के आधारपर समीक्षा करेंगे।
4) व्याकरण को समझने में सक्षम होंगे तथा व्याकरणिक दृष्टि से हिंदी शुद्ध लेखन में भी प्रवीण होंगे।

Syllabus:

कहानी संग्रह : हिंदी विभाग पार्वतीबाई चौगुले कॉलेज मडगांव-गोवा
(बी. ओ. एस. की सहमति के अनुसार संकलित कहानी संग्रह)

व्याकरण : शब्द के भेद,वर्तनी एवं शुध्दलेखन, शब्दयुग्म,मुहावरे,पर्यायवाची शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द,कारक का सामान्य परिचय।

इकाई विभाजन:

इकाई एक : **पूर्व प्रेमचंद युगीन कहानी** (15 Lectures)

1. उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी।
2. दुलाईवाली – बंग महिला
3. इंदुमति – किशोरीलाल गोस्वामी

इकाई दो : प्रेमचंद युगीन कहानी (15 Lectures)

1. दो बैलों की कथा – प्रेमचंद
2. हार की जीत – सुदर्शन
3. परदा – यशपाल।

इकाई तीन : प्रेमचंदोत्तर युगीन कहानी (15 Lectures)

1. मलबे का मालिक – मोहन राकेश
2. गोपाल को किसने मारा **–** मन्नू भण्डारी
3. बांस – काशीनाथ सिंह

इकाई चार: शब्द साधन (15 Lectures)

1. शब्द के भेद।
2. लिंग, वचन एवं कारक
3. शब्दयुग्म।
4. विलोम एवं पर्यायवाची शब्द
5. वाक्यांश के लिए एक शब्द
6. मुहावरे एवं लोकोंक्तियाँ
7. वर्तनी एवं शुद्धलेखन।

संदर्भ ग्रंथ :-

1. डॉ ,नामवर सिंह .'कहानी नयी कहानी', लोकभारती प्रकाशन 2016 ,इलाहाबाद ,
2. मधुरेश ,'हिन्दी कहानी का इतिहास' लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद, 2014
3. गोपालराय,'हिन्दी कहानी का इतिहास',राजकमल प्रकाशन,दिल्ली, 2018
4. रामचंद्र तिवारी, 'हिन्दी का गद्य साहित्य',विश्वविद्यालय प्रकाशन 2016
5. कामताप्रसाद गुरु-'हिन्दी व्याकरण',लोकभारती प्रकाशन 2015 ,इलाहाबाद ,
6. डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह 'हिन्दी व्याकरण'20 ,नई दिल्ली ,नमन प्रकाशन ,09

F.Y.B.A - (Semester – I)
Minor Paper

Paper Title: हिंदी गीत: परंपरा एवं प्रयोग

Paper Code: UG-HIN-102
Credits: 04
Marks: 100
Duration: (60 Lectures)

Course Objective:

1) हिंदी गीत की अवधारणा एवं स्वरूप से अवगत कराना।
2) हिंदी गीत के उद्भव एवं विकास को समझाना ।
3) हिंदी के प्रमुख गीतकारों से परिचित कराना।
4) हिंदी गीतों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करने में सक्षम कराना।

Course Outcome:

1) हिंदी गीत की अवधारणा एवं स्वरूप से अवगत होंगे।
2) हिंदी गीत के उद्भव एवं विकास को समझेंगे।
3) हिंदी के प्रमुख गीतकारों से परिचित होंगे।
4) हिंदी गीतों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करने में सक्षम होंगे

इकाई विभाजन:

इकाई एक – **(15 Lectures)**

हिंदी गीत: अवधारणा, स्वरूप और प्रकार

इकाई दो – **(15 lectures)**

हिंदी गीत: उद्भव एवं विकास

इकाई तीन – **(15 Lectures)**

हिंदी के प्रमुख गीतकार

इकाई चार – पाँच गीतों का विश्लेषणात्मक अध्ययन **(15 Lectures)**

1) साहिर लुधियानवी – नया दौर (१९५७) ' हो उड़े जब-जब ज़ुल्फें तेरी'
2) शैलेन्द्र - 'श्री ४२०' (१९५५) 'प्यार हुआ इकरार हुआ है'
3) गोपालदास नीरज – कन्यादान (१९६८) 'लिखे जो खत तुझे'

4) आनंद बक्शी - शोले (१९७५) 'महबूबा महबूबा'
5) गुलजार – सदमा (१९८३) 'ऐ जिंदगी गले लगा ले'

संदर्भ ग्रंथ

1) किरन सिंह , 'हिंदी के लोकप्रिय गीतकार', हिंदी पॉकेट बुक्स, 2010
2) ब्रज भूषण तिवारी, 'गीतों का जादूगर शैलेन्द्र',वाणी प्रकाशन 2019
3) कुमुद रस्तोगी, 'हिट फिल्मी गीत – भाग 2' डायमंड पॉकेट बुक्स, 2011
4) कुमुद रस्तोगी, 'हिट फिल्मी गीत – भाग 3' डायमंड पॉकेट बुक्स, 2010
5) कुमुद रस्तोगी, 'हिट फिल्मी गीत – भाग 4' डायमंड पॉकेट बुक्स, 2013
6) कुमुद रस्तोगी, 'हिट फिल्मी गीत – भाग 8' डायमंड पॉकेट बुक्स, 2011
7) नवीन शर्मा, 'फिल्मी गीतों का सफर', नोशन प्रेस, 2021

MULTDISCIPLINARY COURSES (MDC)

F.Y.B.A/ B.Sc. - (Semester – I)
MDC (Multidiciplinary Course)
Paper Title: सृजनात्मक लेखन
Paper Code: UG-HIN-MDC1
Credits: 03
Marks: 75
Duration: (45 Lectures)

Course Objective:

1) सृजनात्मक लेखन की अवधारणा, स्वरूप, महत्त्व, उद्देश्य, आवश्यकता एवं लेखन प्रक्रिया से अवगत कराना।
2) कहानी एवं कविता लेखन के तत्वों से परिचित कराते हुए रचना कौशल विकसित कराना।
3) यात्रावृतांत एवं डायरी लेखन के तत्व और प्रकार से अवगत कराते हुए लेखन कार्य में सक्षम कराना।

Course Outcome:

1) सृजनात्मक लेखन की अवधारणा, स्वरूप, महत्त्व, उद्देश्य, आवश्यकता एवं लेखन प्रक्रिया से अवगत होंगे।
2) कहानी एवं कविता लेखन के तत्वों से परिचित होकर रचना कौशल विकसित होगा।
3) यात्रावृतांत एवं डायरी लेखन के तत्व और प्रकार से अवगत कराते हुए लेखन कार्य में सक्षम होंगे।

Syllabus:

इकाई एक – सृजनात्मक लेखन **(15 Lectures)**
अवधारणा एवं स्वरूप
महत्त्व, उद्देश्य, आवश्यकता
लेखन की प्रक्रिया

इकाई दो – कविता एवं कहानी लेखन **(15 Lectures)**
कविता एवं कहानी के तत्व
1) वारिस - मोहन राकेश (कहानी)
2) कफ़न- प्रेमचंद (कहानी)
3) अमृतसर आ गया है- भीष्म साहनी (कहानी)
4) अग्निपथ- हरिवंशराय बच्चन (कविता)
5) मुट्ठीभर चावल – ओमप्रकाश वाल्मीकि (कविता)

इकाई तीन – यात्रावृत्त एवं डायरी लेखन **(15 Lectures)**

तत्व, प्रकार

1) गोवा की यात्रा – राजीव सक्सेना (यात्रावृत्त)
2) मोहन राकेश – अनीता राकेश (डायरी लेखन के कुछ अंश)

संदर्भ ग्रंथ-

1) डॉ. राजेन्द्र मिश्र, 'सृजनात्मक लेखन', तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015
2) संपा. रमेश गौतम, माधुरी सुबोध, 'रचनात्मक लेखन', भारतीय ज्ञानपीठ-वाणी प्रकाशन, 2022
3) डॉ. बच्चनसिंह, 'आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास', लोकभारती प्रकाशन,1994
4) प्रो. हरिमोहन, 'साहित्यिक विधाएँ: पुनर्विचार', वाणी प्रकाशन, 2012
5) डॉ. मधु धवन, 'साहित्यिक विधाएँ : सैद्धांतिक पक्ष', वाणी प्रकाशन

SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

F.Y.B.A/B.Sc. - (Semester – I)
SEC- (Skill Enhancement Course)
Course Title: हिंदी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक)
Course Code: UG-HIN-SEC1
Credits: 03
Marks: 75
Duration: (45 Lectures)

Course Objective:

1) पथनाट्य की अवधारणा,स्वरूप एवं तत्वों के साथ सामाजिक सरोकारों से अवगत कराना।
2) नुक्कड़ नाटकों का तात्विक विवेचन कराना।
3) पथनाट्य लेखन, प्रस्तुतीकरण एवं अभिनय कौशल में सक्षम कराना।

Course Outcomes:

1) पथनाट्य की अवधारणा, स्वरूप,एवं तत्वों के साथ सामाजिक सरोकारों से अवगत होंगे।
2) नुक्कड़ नाटकों का तात्विक विवेचन करेंगे।
3) पथनाट्य लेखन एवं प्रस्तुतीकरण कला,अभिनय कौशल में सक्षम होंगे।

Syllabus:

इकाई एक: **(15 Lectures)**

1. पथनाट्य की अवधारणा एवं स्वरूप।
2. पथनाट्य का विकास।
3. पथनाट्य के तत्व एवं सरोकार

इकाई दो: (**15 Lectures)**

1. गिरगिट- रमेश उपाध्याय
2. औरत – सफदर हाशमी

इकाई तीन: (**15 Lectures)**

1. जनता पागल हो गई है- शिवराम
2. सबसे सस्ता गोश्त –असगर वजाहत

उपर्युक्त नाटकों का तात्विक विवेचन।

(व्यावहारिक कार्य : हिंदी पथनाट्य : प्राथमिक लेखन, प्रकट वाचन, समूह चर्चा, पुनर्लेखन, पथनाट्य समूह में प्रस्तुतीकरण एवं मूल्यांकन।)

संदर्भ ग्रंथ-

1. कुसुम त्रिपाठी, 'नुक्कड़ नाटक कैसे खेले', आह्वान नाट्य मंच प्रकाशन,बम्बई 1995
2. निदेशालय,प्रौढ़ शिक्षा,नुक्कड़ भाग1 -,2 जामनगर हाऊस, हटमेंटस,नई दिल्ली 1995
3. संअखिलेश कुमार मिश्र ., *'अंधेरनगरी-, भारत दुर्दशा'*,प्रयाग प्रकाशन,इलाहाबाद,1985
4. हिंदी रंगकर्म दशा और दिशा :, जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली,1988
5. चन्द्रेश, 'नुक्कड़ नाटक', राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली,1983
6. असगर वजाहत, 'सबसे सस्ता गोश्त',राजपाल एंड सन्स,कश्मीरी गेट,दिल्ली, 2015

VALUE ADDED COURSES (VAC)

F.Y.B.A/B.Sc. - (Semester – I)
VAC (Value Added Course)
Paper Title: योग शिक्षण
Paper Code: UG-HIN-VAC1
Credits: 02
Marks: 50
Duration: (30 Lectures)

Course Objective:

1) योग का अर्थ, स्वरूप, महत्त्व, उद्देश्य एवं प्रकार को समझाना।
2) सामाजिक स्वास्थ्य हेतु योग की आवश्यकता को समझाना तथा योग प्रशिक्षण हेतु तैयार करना।

Course Outcome:

1) योग की अवधारणा, स्वरूप, महत्त्व, उद्देश्य एवं प्रकार को समझेंगे।
2) सामाजिक स्वास्थ्य हेतु योग की आवश्यकता को समझेंगे तथा योग प्रशिक्षण हेतु तैयार होंगे।

Syllabus:

इकाई एक – योग का सामान्य परिचय **(15 Lectures)**

योग का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप।
महत्त्व एवं उद्देश्य
योग के प्रकार (सामान्य परिचय)
(अष्टांग योग, हठयोग, कर्मयोग, भक्तियोग, ज्ञान योग)

इकाई दो - स्वास्थ्य एवं योग **(15 Lectures)**

स्वास्थ्य हेतु योग की आवश्यकता।
रचनात्मक स्वास्थ्य हेतु मन की भूमिका।
स्वस्थ रहने के यौगिक सिद्धांत – आहार, विहार, आचार, विचार
ध्यान के आसन (प्रायोगिक)
योग के आसन (प्रायोगिक)

आसन – ताडासन, धनुरासन, भुजंगासन, पद्मासन, वज्रासन, शवासन, त्रिकोनासना, सर्वांगासन मकरासन, हलासन।

प्राणायाम – अनुलोम विलोम, भ्रामरी, कपालभाती, भस्त्रिका

संदर्भ ग्रंथ -

1) डॉ. विनोद प्रसाद नौटियाल,'योग और स्वास्थ्य',किताब महल, 2015
2) डॉ. उदय चौहान, 'योग शिक्षा', खेल शिक्षा केंद्र,प्रथम संस्करण 2018
3) मनोज आगरा, 'योगासन एवं प्राणायाम', मनोज प्रकाशन, 2020
4) डॉ. साधना दौनेरिया,'उच्च शिक्षा के क्षेत्र में योग एवं मूल्यपरक शिक्षा',चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 2021
5) डॉ.नवीन चंद्र भट्ट,'योग और स्वास्थ्य', किताब महल,2022
6) स्वामी विवेकानंद,'योगाभ्यास और चिंतन',प्रभात पब्लिकेशन, दिल्ली,2023

VALUE ADDED COURSES (VAC)

F.Y.B.A/B.Sc. - (Semester – I)

VAC (Value Added Course)

Paper Title: भारतीय संविधान: एक परिचय

Paper Code: UG-HIN-VAC2

Credits: 02

Marks: 50

Duration: (30 Lectures)

Course Objective:

1) भारतीय संविधान का परिचय,प्रस्तावना एवं विशेषताओं से अवगत कराना।
2) भारतीय संविधान में निहित संवैधानिक मूल्य,संवैधानिक अधिकार एवं मानवी कर्तव्यों से परिचित कराना।

Course Outcome:

1) भारतीय संविधान का परिचय, प्रस्तावना एवं विशेषताओं से अवगत होंगे।
2) भारतीय संविधान में निहित संवैधानिक मूल्य,संवैधानिक अधिकार एवं मानवी कर्तव्यों से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक – भारतीय संविधान: परिचय एवं विशेषताएँ **(15 Lectures)**

भारतीय संविधान का परिचय
भारतीय संविधान की प्रस्तावना
भारतीय संविधान की विशेषताएँ

इकाई दो - भारतीय संविधान : मूल्य,कर्तव्य एवं अधिकार **(15 Lectures)**

संवैधानिक मूल्य
संवैधानिक अधिकार
संवैधानिक कर्तव्य

संदर्भ ग्रंथ -

1) डॉ. बी आर अंबेडकर, 'भारत का संविधान', सुधीर प्रकाशन, जनवरी 2022
2) डॉ. दुर्गा दास बसु,'भारत का संविधान',कैलाश प्रकाशन, नई दिल्ली 2020

3) (भारतीय संविधान एवं संवैधानिक विधि का सरल प्रारूप सभी संशोधन के साथ)'भारत का संविधान', मनोज प्रकाशन, 2010
4) डॉ. प्रमोद कुमार अग्रवाल, भारत का संविधान', प्रभात प्रकाशन

SEMESTER II

F.Y.B.A - (Semester – II)
Core Paper

Paper Title: हिंदी कविता एवं काव्य सौंदर्य

Paper Code: UG-HIN-103
Credits: 04
Marks: 100
Duration: (60 Lectures)
Course Objective:

1) मध्ययुगीन कवियों और उनकी कविताओं से अवगत कराना ।
2) आधुनिक कवियों और उनकी कविताओं की व्याख्या कराना ।
3) आधुनिक कविताओं में चित्रित समाज जीवन को समझाना।
4) काव्यसौंदर्य के अंतर्गत अलंकार,छंद का ज्ञान देना।

Course Outcome:

1) मध्ययुगीन कवियों और उनकी कविताओं से अवगत होंगे।
2) आधुनिक कवियों और उनकी कविताओं की व्याख्या करने में सक्षम होंगे ।
3) आधुनिक कविताओं में चित्रित समाज जीवन को समझेंगे।
4) काव्यसौंदर्य के अंतर्गत अलंकार,छंद का ज्ञान प्राप्त होगा।

Syllabus:

कविता संग्रह : हिंदी विभाग पार्वतीबाई चौगुले कॉलेज मडगांव-गोवा
(बी. ओ. एस. की सहमति के अनुसार संकलित कविता संग्रह)
काव्य सौंदर्य : अलंकार,छंद

इकाई विभाजन:

इकाई एक : **(15 Lectures)**

1. कबीर के दोहे (10 दोहे)
2. तुलसीदास के दोहे- (रामराज्य वर्णन –आरंभ के 5 दोहे एवं चौपाईयां)
3. सूर के पद (5 पद)
4. रहीम के दोहे – रहीम (10 दोहे)

इकाई दो : **(15 Lectures)**

1. जुही की कली- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

2. सवेरे उठा तो धूप खिली थी - सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
3. बीस साल बाद सुदामा पाण्डेय -'धूमिल'
4. प्रेत का बयान- नागार्जुन

इकाई तीन : **(15 Lectures)**

1. बेजगह - अनामिका।
2. बुलडोजर - राजेश जोशी।
3. अकाल में दूब – केदारनाथ सिंह।
4. हम तो इतना जानते हैं – राकेश रंजन।

इकाई चार: काव्यसौंदर्य **(15 Lectures)**

क) अलंकार –i) शब्दालंकार -अनुप्रास, यमक, श्लेष।
ii) अर्थालंकार- उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा।

ख) छंद - i) मात्रिक छंद- दोहा, सोरठा, चौपाई।
ii) वर्णिक छंद – इंद्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, सवैया।

संदर्भ ग्रंथ

1. रामस्वरूप चतुर्वेदी, 'हिंदी कवि का इतिहास',लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2012
2. देवेन्द्रनाथ शर्मा,'काव्य के तत्व', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2013
3. हजारीप्रसाद द्विवेदी, 'मध्यकालीन बोध का स्वरूप', राजकमल प्रकाशन, 2003
4. रामबहोरी शुक्ल, 'हिंदी प्रदीप' हिन्दी भवन, इलाहाबाद, 2010
5. भगीरथ मिश्र-'काव्यशास्त्र',विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1999
6. डॉ ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह .-'हिंदी व्याकरण', नमन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009

F.Y.B.A - (Semester – II)
Core Paper

Paper Title: हिंदी लघुकथा
Paper Code: UG-HIN- 104
Credits: 04
Marks: 100
Duration: (60 Lectures)

Course Objective:

1) हिंदी लघुकथा की अवधारणा एवं स्वरूप,तत्व,विशेषताओं से अवगत कराना ।
2) प्रमुख लघुकथाकारों का सामान्य परिचय देना ।
3) प्रेमचंद,यशपाल जैन और शरद जोशी की लघुकथाओं के माध्यम से जीवन मूल्यों को समझाना।
4) निधि जैन, पद्मजा शर्मा और रोहित कुमार की लघुकथाओं विश्लेषण कराना ।

Course Outcome:

5) हिंदी लघुकथा की अवधारणा एवं स्वरूप,तत्व,विशेषताओं से अवगत होंगे।
6) प्रमुख लघुकथाकारों का सामान्य परिचय प्राप्त होगा।
7) प्रेमचंद,यशपाल जैन और शरद जोशी की लघुकथाओं के माध्यम से जीवन मूल्यों से को समझेंगे।
8) निधि जैन, पद्मजा शर्मा और रोहित कुमार की लघुकथाओं का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।

इकाई विभाजन

इकाई एक– **(15 Lectures)**

हिंदी लघुकथाएँ: अवधारणा एवं स्वरूप, तत्व, विशेषताएँ

इकाई दो- **(15 Lectures)**

प्रमुख लघुकथाकारों का सामान्य परिचय

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

1) प्रेमचंद - राष्ट्र का सेवक, देवी कश्मीरी सेब।
2) यशपाल जैन - आखिरी दरवाजा,तोड़ो नहीं जोड़ो, दान का आनंद।
3) शरद जोशी - क्रमश:प्रगति, कला और प्रतिबद्धता, बुद्धिजीवियों का दायित्व।

इकाई चार- **(15 Lectures)**

1) निधि जैन - जनरेशन गैप, डर, प्रकाश
2) पद्मजा शर्मा- खुदा, टेक केयर माँ, लगाम
3) रोहित कुमार " हैप्पी"- पारस पत्थर, पागल, स्वतन्त्रता दिवस

संदर्भ ग्रंथ:-

1) हिन्दी लघुकथा संग्रह, हिन्दी विभाग पार्वतीबाई चौगुले महाविद्यालय (स्वायत्त)(हिन्दी अध्ययन मण्डल की सहमति से) सभी कहानियाँ हिंदी समय.कॉम और भारत दर्शन.कॉम पर उपलब्ध हैं।)
2) डॉ , नामवर सिंह .'कहानी नयी कहानी', लोकभारती प्रकाशन 2016 ,इलाहाबाद ,
3) मधुरेश ,'हिन्दी कहानी का इतिहास' लोकभारती प्रकाशनइलाहाबाद ,, 2014
4) गोपालराय,'हिन्दी कहानी का इतिहास',राजकमल प्रकाशन,दिल्ली,2018
5) रामचंद्र तिवारी, 'हिन्दी का गद्य साहित्य',विश्वविद्यालय प्रकाशन 2016

MULTDISCIPLINARY COURSES (MDC)

F.Y.B.A/ B.Sc. - (Semester – II)

MDC (Multidiciplinary Course)

Paper Title: व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन

Paper Code: UG-HIN-MDC2

Credits: 03

Marks: 75

Duration: (45 Lectures)

Course Objective:

1) व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन की अवधारणा, स्वरूप, आवश्यकता, महत्त्व एवं प्रकारों से अवगत कराना।
2) व्यावहारिक लेखन में स्ववृत्त लेखन, आवेदन पत्र, विज्ञापन एवं समाचार लेखन करने में सक्षम कराना।
3) रचनात्मक लेखन में पटकथा लेखन, वार्ता लेखन, साक्षात्कार एवं रिपोर्ताज लेखन कराना।

Course Outcome:

1) व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन की अवधारणा, स्वरूप, आवश्यकता, महत्त्व एवं प्रकारों से अवगत होंगे।
2) व्यावहारिक लेखन में स्ववृत्त लेखन, आवेदन पत्र , विज्ञापन एवं समाचार लेखन करने में सक्षम होंगे।
3) रचनात्मक लेखन में पटकथा लेखन, वार्ता लेखन, साक्षात्कार एवं रिपोर्ताज लेखन कर सकेंगे।

Syllabus :

इकाई एक - व्यावहारिक एवं रचनात्मक लेखन का परिचय **(15 Lectures)**
- व्यावहारिक लेखन अवधारणा एवं स्वरूप
- व्यावहारिक लेखन की आवश्यकता, महत्त्व
- व्यावहारिक लेखन के प्रकार

इकाई दो - व्यावहारिक लेखन **(15 Lectures)**
- बायोडेटा / स्ववृत लेखन
- रोजगार संबंधी आवेदन पत्र
- विज्ञापन लेखन
- समाचार लेखन

इकाई तीन – रचनात्मक लेखन **(15 Lectures)**
- पटकथा लेखन
- वार्ता लेखन

रिपोर्ताज
साक्षात्कार

(इस प्रश्नपत्र पर व्यावहारिक कार्य किया जाएगा।)

संदर्भ ग्रंथ –

1) रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, भोलानाथ तिवारी, 'व्यावहारिक हिंदी', वाणी प्रकाशन, 2016
2) डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी, 'व्यावहारिक हिन्दी और रचना', वाणी प्रकाशन, 2005
3) डॉ. तारेश भाटिया, 'आधुनिक विज्ञापन और जनसम्पर्क', तक्षशिला प्रकाशन, 2007
4) डॉ. रामप्रकाश, डॉ. दिनेश गुप्त, 'प्रशासनिक एवं कार्यालयीन हिंदी',
5) डॉ. मधु धवन, 'विज्ञापन कला', वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2010
6) मनोहर श्याम जोशी, 'पटकथा लेखन एक परिचय', राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2008
7) अरुण कुमार भगत, 'पत्रकारिता: सृजनात्मक लेखन और रचना-प्रक्रिया', नेशनल बूक ट्रस्ट, इंडिया, 2022
8) डॉ.आबिद अली, संदीप कुमार,'मीडिया लेखन: सृजनात्मक एवं जनसंचार लेखन विधियां, 2019

SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

F.Y.B.A/B.Sc. - (Semester –II)
Course Title: हिंदी एकांकी
Course Code: UG-HIN-SEC2
Credits: 03
Marks: 75
Duration: (45 Lectures)

Course Objective:

1) एकांकी की अवधारणा, स्वरूप,तत्व, उद्भव एवं विकास से परिचित कराना।
2) 'भोर का तारा' और 'धीरे बहो गंगा' एकांकी के माध्यम से उसके ऐतिहासिक एवं सामाजिक पक्ष से अवगत कराते हुए समीक्षा कराना।
3) 'आवाज नीलाम' और 'जुलूस' एकांकी के माध्यम से उसके राजनीतिक पक्ष से अवगत कराते हुए अभिनय, संवाद और प्रस्तुतीकरण में सक्षम कराना ।

Course Outcomes:

1) एकांकी की अवधारणा, स्वरूप,तत्व, उद्भव एवं विकास से परिचित होंगे।
2) 'भोर का तारा' और 'धीरे बहो गंगा' एकांकी के माध्यम से उसके ऐतिहासिक एवं सामाजिक पक्ष से अवगत होकर समीक्षा कर सकेंगे।
3) 'आवाज नीलाम' और 'जुलूस' एकांकी के माध्यम से उसके राजनीतिक पक्ष से अवगत होकर अभिनय, संवाद और प्रस्तुतीकरण में निपुण होंगे।

Syllabus:

इकाई एक – सैद्धांतिक पक्ष **(15 Lectures)**
एकांकी की अवधारणा: स्वरूप एवं तत्व
एकांकी उद्भव एवं विकास

इकाई दो – ऐतिहासिक एवं सामाजिक एकांकी **(15 Lectures)**
भोर का तारा- जगदीश चंद्र माथुर
धीरे बहो गंगा-लक्ष्मी नारायण लाल।

इकाई तीन - राजनैतिक एकांकी **(15 Lectures)**
आवाज नीलाम- धर्मवीर भारती
जुलूस- कणाद ऋषि भटनागर
(निर्धारित रचनाओं का एकांकी के तत्वों के आधारपर समीक्षात्मक अध्ययन)

संदर्भ ग्रंथ-

.1गिरीश रस्तोगी,हिन्दी नाटक और रंगमंच की नई दिशाएँ,ग्रंथम प्रकाशन,कानपुर,1966
.2दशरथ ओझा,*हिन्दी नाटकउद्भव और विकास :*, दिल्ली राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली,2003

.3डॉपशुपतिनाथ उपाध्याय., हिन्दी *नाटक एवं रंगमंच ',* जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2009
.4नेमिचन्द्र जैन, *'रंगदर्शन',* राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
.5डॉरामशरण महेंद्र .,'*एकांकी और एकांकीकार*, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली,2001
6सुरेन्द्र यादव .डॉ ., 'एकांकी और एकांकी',राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली,2001

ABILITY ENHANCEMENT COURSES (AEC)

F.Y.B.A - (Semester – II)
AEC- **Ability Enhancement Course**
Paper Title: श्रवण एवं संभाषण कौशल
Paper Code: UG-HIN-AEC1
Credits: 02
Marks: 50
Duration: (30 Lectures)

Course Objective:

1) श्रवण कौशल का स्वरूप, महत्व, उद्देश्य, विशेषताएँ एवं उसके सुधार के उपाय समझाना।
2) संभाषण कौशल का स्वरूप, महत्व, उद्देश्य, विशेषताएँ एवं उसके सुधार के उपायों को समझकर संभाषण कला में सक्षम करना।

Course Outcome:

1) श्रवण कौशल का स्वरूप, महत्व, उद्देश्य, विशेषताएँ एवं उसके सुधार के उपायों को समझेंगे।
2) संभाषण कौशल का स्वरूप, महत्व, उद्देश्य, विशेषताएँ एवं सुधार के उपायों को समझकर संभाषण कला में सक्षम होंगे।

Syllabus:

इकाई एक- श्रवण कौशल (15 Lectures)

1. श्रवण कौशल का स्वरूप।
2. श्रवण कौशल का महत्त्व।
3. श्रवण कौशल के उद्देश्य।
4. श्रवण कौशल की विशेषताएँ।
5. श्रवण कौशल के सुधार के उपाय।

इकाई दो- संभाषण कौशल (15 Lectures)

1. संभाषण कौशल का स्वरूप।
2. संभाषण कौशल का महत्त्व।
3. संभाषण कौशल के उद्देश्य।
4. संभाषण कौशल की विशेषताएँ।
5. संभाषण कौशल के सुधार के उपाय।

(नोट : इस प्रश्न पत्र पर विद्यार्थियों से कौशल आधारित कार्य कराया जाएगा।)

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी का सही प्रयोग - नीलम मान, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, वर्ष 2005
2. भानुशंकर मेहता, 'बोलने की कला',विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2013
3. रामचंद्र वर्मा,'अच्छी हिंदी', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2008
4. शशिबाला-'हिंदी शिक्षण विधियाँ',डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली,2006

****

F.Y.B.A/B.Sc. - (Semester – II)

VAC (Value Added Course)

Paper Title: गोवा प्रदेश और पर्यटन

Paper Code: UG-HIN-VAC3

Credits: 02

Marks: 50

Duration: (30 Lectures)

Course Objective:

1) गोवा प्रदेश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, भौगोलिक पृष्ठभूमि,पर्यटन का महत्त्व और उसकी आवश्यकता से अवगत कराना।
2) प्रमुख पर्यटन स्थलों, भाषा, पर्यटन के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव को समझाना।

Course Outcome:

1) गोवा प्रदेश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, भौगोलिक पृष्ठभूमि,पर्यटन का महत्त्व और उसकी आवश्यकता से अवगत होंगे।
2) प्रमुख पर्यटन स्थलों, भाषा, पर्यटन के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव को समझेंगे ।

Syllabus:

इकाई एक – गोवा प्रदेश : सामान्य परिचय **(15 Lectures)**

- गोवा प्रदेश – ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, भौगोलिक परिवेश।
- पर्यटन का आशय एवं क्षेत्र
- पर्यटन का आर्थिक एवं सामाजिक महत्त्व
- पर्यटन में रोजगार के अवसर

इकाई दो – गोवा के प्रमुख पर्यटन स्थल **(15 Lectures)**

- ऐतिहासिक पर्यटन स्थल
- धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन स्थल
- पर्यटन में स्थानीय भाषा, संस्कृति एवं त्योहार
- पर्यटन: सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव

संदर्भ ग्रंथ-

1) डॉ. अनंत आर.धूमे, 'गोवा का सांस्कृतिक इतिहास',सह्याद्रि बुक्स
2) भिवा परब, 'गोवा की सांस्कृतिक विरासत',2020
3) लेखक-ओलिविहों जे. एफ. गोम्स, अनुवाद- चन्द्रमौलि मणि, 'गोवा'

4) संपा. जयंती नायक, 'गोवा की लोक कथाएँ', प्रभात प्रकाशन,2021
5) Alfred F. Braganza, 'Goa History & Culture', Third Millennium, 2017
6) Kamla Mankekar,Culture & Religious Traditions in Temples of Goa, Publications Division, Government of India, 2004

SEMESTER III

S.Y.B.A - (Semester – III)
Core Course

Course Title: हिंदी नाटक, वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म

Course Code: UG-HIN-201
Marks: 100
Credit: 4 (60 Lectures)

Course Objective

1) नाटक की अवधारणा,स्वरूप एवं तत्वों से परिचित कराना।
2)असगर वजाहत का परिचय तथा 'जिस लाहौर नई देख्या ओ जम्याइ नई 'नाटक के माध्यम से सांप्रदायिक सद्भाव एवं मानवीय मूल्यों को समझने में सक्षम कराना।
3) नाट्य तत्वों के आधारपर 'जिस लाहौर नई देख्या ओ जम्याइ नई' नाटक की समीक्षा कराना।
4)वृत्तचित्र एवं फीचर लेखन के सैद्धांतिक पक्ष तथा उसके अंतर को समझाना।

Course Outcome:

1) नाटक की अवधारणा, स्वरूप एवं तत्वो से परिचित होंगे।
2)असगर वजाहत का परिचय तथा 'जिस लाहौर नई देख्या ओ जम्याइ नई 'नाटक के माध्यम से सांप्रदायिक सद्भाव एवं मानवीय मूल्यों को समझने में सक्षम होंगे।
3) नाट्य तत्वों के आधारपर 'जिस लाहौर नई देख्या ओ जम्याइ नई' नाटक की समीक्षा करेंगे।
4)वृत्तचित्र एवं फीचर लेखन के सैद्धांतिक पक्ष तथा उसके अंतर को समझने में सक्षम होंगे।

Syllabus:

1. जिस लाहौर नई देख्या वो जम्याइ नई -असगर वजाह
2. वृत्तचित्र एवं फ़ीचर फ़िल्म।

इकाई विभाजन :

इकाई एक- नाटक की अवधारणा,स्वरूप एवं तत्व। **(15 Lectures)**
इकाई दो - 'जिस लाहौर नई देख्या वो जम्याइ नई' का पाठ्यालोचन। **(15 Lectures)**
इकाई तीन -'जिस लाहौर नई देख्या वो जम्याइ नई' का समीक्षात्मक अध्ययन। **(15 Lectures)**
इकाई चार- वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म : अवधारणा, विशेषताएँ एवं अंतर। **(15 Lectures)**

संदर्भ ग्रंथ

1. दशरथ ओझा, 'हिंदी नाटक का विकास',राजपाल एण्ड सन्स, नयी दिल्ली,2003
2. साठोत्तर हिंदी नाटकनारायण कुरूप लोकभारती प्रकाशन .वी .के-,इलाहाबाद,2007

3. समकालीन फिल्मों के आईने में समाजसत्यदेव त्रिपाठी शिल्पायन प्रकाशन–,दिल्ली,2013
4. साहित्य और सिनेमा शैलजा भारद्वाज.डॉ.सं–,चिंतन प्रकाशन,कानपुर,2013
5. सिनेमा और साहित्यहरीश कुमार संजय प्रकाशन -,दिल्ली,2010
6. मनोहर श्याम जोशी, 'पटकथा लेखन',राजकमल प्रकाशन,दिल्ली,2002

F.Y.B.A - (Semester – III)
Core Course

Core Course Title: हास्य-व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता
Core Code: UG-HIN-202
Marks: 100
Credit: 4 (60 Lectures)

Course Objectives:

1) निबंध विधा का परिचय कराते हुए हास्य-व्यंग्य की अवधारणा तथा स्वरूप को समझाना ।
2) नया साल, अपना मकान, पगडंडियों का जमाना एवं मोची भया उदास निबंधों में चित्रित व्यंग्य को समझाते हुए उनकी समीक्षा करना।
3) अध्यक्ष महोदय, घूस एक चिकनाई है,धमाका, एवं 'अच्छी हिंदी' निबंधों में चित्रित व्यंग्य समझने में सक्षम बनाना ।
4) पत्रकारिता का सामान्य परिचय, भेद, उपयोगिता एवं महत्व से अवगत कराना।

Course Outcome:

1) निबंध विधा का परिचय कराते हुए हास्य-व्यंग्य की अवधारणा तथा स्वरूप को समझेंगे ।
2) नया साल, अपना मकान, पगडंडियों का जमाना एवं मोची भया उदास निबंधों में चित्रित व्यंग्य को समझकर उनकी समीक्षा करेंगे।
3) अध्यक्ष महोदय, घूस एक चिकनाई है,धमाका, एवं 'अच्छी हिंदी' निबंधों में चित्रित व्यंग्य समझने में सक्षम होंगे।
4) पत्रकारिता का सामान्य परिचय, भेद, उपयोगिता एवं महत्व से अवगत होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. हास्य एवं व्यंग्य की अवधारणा एवं स्वरूप।
2. हास्य एवं व्यंग्य के तत्त्व।
3. हास्य एवं व्यंग्य में अंतरसंबंध।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1. नया साल- अमृतराय।
2. अपना मकान- इंद्रनाथ मदान।
3. पगडंडियों का जमाना- हरिशंकर परसाई।
4. मोची भया उदास –प्रेम जनमेजय

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

1. अध्यक्ष महोदय -शरद जोशी ।
2. घूस एक चिकनाई है- रवीद्र कालिया।
3. धमाका- अभिमन्यु अनत।
4. अच्छी हिंदी - रवीन्द्र नाथ त्यागी

इकाई चार - **(15 Lectures)**

1. पत्रकारिता का सामान्य परिचय।
2. पत्रकारिता के भेद।
3. पत्रकारिता की उपयोगिता एवं महत्त्व।

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ.बालेन्दु शेखर तिवारी,'हिंदी का स्वातंत्र्योत्तर हास्य और व्यंग्य',अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर,1978
2. डॉ. प्रेमनारायन टंडन,'हिंदी साहित्य में हास्य-व्यंग्य',हिंदी साहित्य भंडार,लखनऊ,1975
3. डॉ. *उषा शर्मा,'हिंदी निबंध साहित्य में व्यंग्य'*,आत्माराम एण्ड सन्स कश्मीरी गेट, दिल्ली, 1985
4. विनोद गोदरे, 'प्रयोजनमूलक हिंदी,'वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, वर्ष 2007
5. डॉ.माधव सोनटक्के,'प्रयोजनमूलक हिंदी',लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2008
6. कैलाशचंद्र पाण्डेय, 'प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका',लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, 2007
7. हिंदी हास्य -व्यंग्य निबंध संग्रह-हिंदी विभाग- पार्वतीबाई चौगुले कॉलेज मडगांव,गोवा (बी.ओ.एस की सहमति के अनुसार संकलित निबंध संग्रह)

S.Y.B.A - (Semester – III)
Core Course
Course Title: हिंदी निबंध
Course Code: UG-HIN-203
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective :

1) निबंध का स्वरूप,तत्व एवं भेदों की जानकारी प्राप्त कराना ।
2) हिंदी के प्रमुख निबंधकार एवं उनके निबंधों का विवेचन कराना।
3) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर एवं उनके निबंधों का मार्मिक अध्ययन कराना ।
4) निर्धारित निबंधों की समीक्षा करने में सक्षम बनाना।

Course Outcome -

1) निबंध के स्वरूप, तत्व एवं भेदों की जानकारी प्राप्त करेंगे।
2) हिंदी के प्रमुख निबंधकार एवं उनके निबंधों का विवेचन कर सकेंगे ।
3) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर एवं उनके निबंधों का मार्मिक अध्ययन करने में सक्षम होंगे।
4) निर्धारित निबंधों की समीक्षा करने में सक्षम होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

निबंध: स्वरूप,तत्व एवं भेद।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1) गेंहु बनाम गुलाब - रामवृक्ष बेनीपुरी
2) नाखून क्यों बढ़ते हैं? **-** हजारी प्रसाद द्विवेदी
3) जादू की सरकार **–** शरद जोशी
4) मेरे राम का मुकुट भीग रहा है- विद्यानिवास मिश्र

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

ज़िंदगी मुस्कुराई कन्हैयालाल मिश्र -'प्रभाकर'(कोई पाँच)

इकाई चार - **(15 Lectures)**

निर्धारित निबंधों का समीक्षात्मक विवेचन।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त , *'साहित्यिक निबंध',* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1981
2. डॉ . भोलानाथ तिवारी , *'हिंदी साहित्य'* हिंदी परिषद, प्रकाशन प्रयाग, 1971
3. डॉ. रामचन्द्र शुक्ल, *'हिंदी साहित्य का इतिहास',* नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1961
4. डॉ. बच्चन सिंह, *आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005
5. डॉ. नगेंद्र, डॉ. हरदयाल *'हिंदी साहित्य का इतिहास',* मयूर पेपरबैक्स, 2014

S.Y.B.A - (Semester – III)
Multidiciplinary Course

Course Title: लोक साहित्य

Course Code: UG-HIN-MDC3

Marks: 75
Credits: 03 (45 Lectures)

Course Objective:

1) लोक साहित्य की अवधारणा, स्वरूप तथा लोक और साहित्य के अंत:संबंध एवं लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याओं से अवगत कराना।
2) लोक साहित्य के अंतर्गत लोक गीत एवं लोक कथा के प्रकारों का वर्गीकरण कराना।
3) लोक नृत्य,लोकनाट्य एवं लोक भाषा के अंतर को समझने में सक्षम कराना।

Learning Outcome:

1) लोक साहित्य की अवधारणा, स्वरूप तथा लोक और साहित्य के अंत: संबंध एवं लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याओं से अवगत होंगे।
2) लोक साहित्य के अंतर्गत लोक गीत एवं लोक कथा के प्रकारों का वर्गीकरण करेंगे।
3) लोक नृत्य,लोकनाट्य एवं लोक भाषा के अंतर को समझने में सक्षम होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

लोक साहित्य की अवधारणा
लोक संस्कृति और साहित्य
साहित्य और लोक का अंतः सम्बन्ध
लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

इकाई दो - **(15 Lectures)**

लोक गीत - संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत
लोक कथा: व्रतकथा, पशुकथा, परिकथा, अद्‌भुत कथा, नाग कथा

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

लोकनृत्य – गर्भा, भंघड़ा, लावणी, फुगड़ी, धालो, मांडों
लोकनाट्य - रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, विदेशिया, नौटंकी
लोकभाषा : लोक संभाषित मुहावरे, कहावते, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ

संदर्भ ग्रंथ -

1) डॉ. श्री राम शर्मा, लोकसाहित्य सिद्धान्त एवं परंपरा, साहित्य सरोवर प्रकाशन, आगरा, 2020
2) डॉ. राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी, लोक साहित्य, हरीश प्रकाशन मंदिर, प्रताप नगर आगरा 2021

3) डॉ. विश्वंभर पाण्डेय, भारतीय लोक साहित्य एवं संस्कृति, ओम प्रकाशन, जयपुर राजस्थान, 2017
4) डॉ. सत्येंद्र, लोक साहित्य विज्ञान, आर प्रकाशन, 2017

S.Y.B.A - (Semester – III)

AEC- **Ability Enhancement Course**

Course Title: वाचन एवं लेखन कौशल
Course Code: UG-HIN-AEC2
Marks: 50
Credits: 02 (30 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से-

1) वाचन कौशल का स्वरूप, महत्व, उद्देश्य, विशेषताएँ एवं सुधार के उपायों से अवगत होकर हिंदी भाषा के व्यवहार में सक्षम बनाना ।
2) लेखन कला का स्वरूप, महत्व, उद्देश्य, विशेषताएँ एवं सुधार के उपायों से अवगत होकर सृजनात्मक लेखन कला को विकसित कराना।

Course Outcome:

3) वाचन कौशल का स्वरूप, महत्व, उद्देश्य, विशेषताएँ एवं सुधार के उपायों से अवगत होकर हिंदी भाषा के व्यवहार में सक्षम होंगे।
4) लेखन कला का स्वरूप, महत्व, उद्देश्य,विशेषताएँ एवं सुधार के उपायों से अवगत होकर सृजनात्मक लेखन कला विकसित होगी।

Syllabus:

इकाई एक -वाचन कौशल। **(15 Lectures)**

1. वाचन कौशल का स्वरूप।
2. वाचन कौशल का महत्त्व।
3. वाचन कौशल के उद्देश्य।
4. वाचन कौशल की विशेषताएँ।
5. वाचन कौशल के सुधार के उपाय।

इकाई दो - लेखन कौशल। **(15 Lectures)**

1. लेखन कौशल का स्वरूप।
2. लेखन कौशल का महत्त्व।
3. लेखन कौशल के उद्देश्य।
4. लेखन कौशल की विशेषताएँ।
5. लेखन कौशल के सुधार के उपाय।

(**नोट** : इस प्रश्न पत्र पर विद्यार्थियों से कौशल आधारित कार्य कराया जाएगा।)

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी का सही प्रयोग - नीलम मान, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, वर्ष 2005
2. भानुशंकर मेहता, 'बोलने की कला',विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी, 2013
3. ईश्वरचंद राही, 'लेखन कला का इतिहास',उत्तरप्रदेश हिंदी संस्थान,लखनऊ,1983
4. रामचंद्र वर्मा,'अच्छी हिंदी ', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2008
5. शशिबाला-'हिंदी शिक्षण विधियाँ',डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली,2006

S.Y.B.A/B.Sc. - (Semester – III)

SEC (Skill Enhancement Course)

Course Title: हिंदी साहित्य और सिनेमा

Course Code: UG-HIN-SEC3

Marks: 75

Credits: 03 (45 Lectures)

Course Objective:

1) हिंदी सिनेमा की अवधारणा, स्वरूप एवं उद्भव एवं विकास से अवगत कराना ।
2) साहित्य और सिनेमा का अंतर्संबंध तथा साहित्य से फिल्मांतरण की प्रक्रिया एवं उसकी समस्याओं का विवेचन करने में सक्षम बनाना ।
3) निर्धारित फिल्मों की तुलना एवं समीक्षा करना।

Course Outcome:

4) हिंदी सिनेमा की अवधारणा, स्वरूप एवं उद्भव एवं विकास से अवगत होंगे।
5) साहित्य और सिनेमा का अंतर्संबंध तथा साहित्य से फिल्मांतरण की प्रक्रिया एवं उसकी समस्याओं का विवेचन करने में सक्षम होंगे।
6) निर्धारित फिल्मों की तुलना एवं समीक्षा करेंगे।

Syllabus:

इकाई एक – हिंदी सिनेमा: अवधारणा एवं स्वरूप **(15 Lectures)**
सिनेमा का उद्भव एवं विकास

इकाई दो – साहित्य और सिनेमा का अंत:संबंध **(15 Lectures)**
साहित्य का फिल्मांतरण और उसकी समस्याएं

इकाई तीन – निर्धारित/चयनित फिल्मों का अध्ययन **(15 Lectures)**

1. शतरंज के खिलाड़ी
2. रजनीगंधा
3. गोडसे@गांधी.कॉम
4. टोबा टेक सिंह

संदर्भ ग्रंथ-

1) संजीव श्रीवास्तव,'हिंदी सिनेमा का इतिहास', प्रकाशन विभाग,2004
2) विनोद भारद्वाज ,'सिनेमा: कल आज और कल' ,वाणी प्रकाशन, 2005
3) जवरीमल्ल पारेख,'हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र', ग्रन्थ शिल्पी, 2006
4) संजीव श्रीवास्तव,'समय,सिनेमा और इतिहास', प्रकाशन विभाग,2014

5) राही मासूम रजा,'सिनेमा और संस्कृति',वाणी प्रकाशन
6) विनोददास,'भारतीय सिनेमा का अंतःकरण', मेधा बुक्स
7) कबीर नसरीन मुन्नी,'सिनेमा के बारे 'में राजकमल प्रकाशन.
8) जवरीमल्ल पारख,'लोकप्रिय सिनेमा और सामजिक यथार्थ',अनामिका पब्लिशर्स

SEMESTER IV

S.Y.B.A - (Semester – IV)
Core Course

Course Title: हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्तिकाल एवं रीतिकाल)
Course Code: UG-HIN-204
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) आदिकालीन साहित्य की परिस्थितियों , रासो काव्य परंपरा, सिद्ध, जैन एवं नाथ काव्य परंपरा का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान कराना ।
2) भक्ति आंदोलन की पृष्ठभूमि, परिवेश एवं भक्ति साहित्य की परिस्थितियों से अवगत कराना।
3) निर्गुण एवं सगुण भक्ति काव्य का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियों से अवगत कराते हुए अंतर समझाना ।
4) रीतिकालीन साहित्य की परिस्थितियाँ और रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियों का विश्लेषण कराना।

Course Outcome:

1) आदिकालीन साहित्य की परिस्थितियों , रासो काव्य परंपरा, सिद्ध, जैन एवं नाथ काव्य परंपरा का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान प्राप्त होगा।
2) भक्ति आंदोलन की पृष्ठभूमि, परिवेश एवं भक्ति साहित्य की परिस्थितियों से अवगत होंगे।
3) निर्गुण एवं सगुण भक्ति काव्य का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियों से अवगत होकर अंतर समझेंगे।
4) रीतिकालीन साहित्य की परिस्थितियाँ और रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियों का विश्लेषण करेंगे।

Syllabus:

इकाई एक – आदिकाल **(15 Lectures)**

आदिकालीन साहित्य की परिस्थितियाँ, रासो काव्य परंपरा, सिद्ध, जैन एवं नाथ काव्य परंपरा का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।

इकाई दो- भक्ति आंदोलन एवं परिस्थितियाँ **(15 Lectures)**

भक्ति आंदोलन
भक्ति साहित्य की परिस्थितियाँ

इकाई तीन- निर्गुण एवं सगुण भक्तिकाव्य **(15 Lectures)**

संत एवं सूफी काव्य का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।
राम एवं कृष्ण भक्ति काव्य का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियां।

इकाई चार- रीतिकाल **(15 Lectures)**

रीतिकालीन साहित्य की परिस्थितियाँ और रीतिबद्ध,रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।

संदर्भ ग्रंथ:

1) डॉ . बच्चन सिंह, 'हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास', राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2015
2) डॉ . विजयपाल सिंह, 'हिंदी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास', राधाकृष्ण प्रकाशन,नयी दिल्ली, 2011
3) डॉ. नगेंद्र, रामकुमार वर्मा, 'हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2010
4) आचार्य रामचंद्र शुक्ल, 'हिंदी साहित्य का इतिहास',प्रभात प्रकाशन,दिल्ली,2006
5) डॉ . शिवकुमार शर्मा, 'हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ' , अशोक प्रकाशन, नई सड़क,दिल्ली,1986
6) रामकिशोर शर्मा,'हिंदी साहित्य का समग्र इतिहास,'लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2009
7) विजयेन्द्र स्नातक, 'हिंदी साहित्य का इतिहास', साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2009

S.Y.B.A - (Semester – IV)
Core Course
Course Title: मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ)
Course Code: UG-HIN-205
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) निर्गुण भक्ति काव्य के कवि और उनके विचारों से अवगत कराना।
2) सगुण भक्ति काव्य के कवियों से परिचित होकर काव्य की प्रासंगिकता को समझाना।
3) भूषण का वीरकाव्य और मीरा की भक्तिभावना को समझने में सक्षम बनाना।
4) बिहारी की श्रृंगारिकता और घनानंद के कवित्त का विवेचन एवं विश्लेषण कराना।

Course Outcome:

1) निर्गुण भक्ति काव्य के कवि और उनके विचारों से अवगत होंगे।
2) सगुण भक्ति काव्य के कवियों से परिचित होकर काव्य की प्रासंगिकता को समझेंगे।
3) भूषण का वीरकाव्य और मीरा की भक्तिभावना को समझने में सक्षम होंगे।
4) बिहारी की श्रृंगारिकता और घनानंद के कवित्त का विवेचन एवं विश्लेषण करेंगे ।

Syllabus:

इकाई एक -	कबीर और जायसी।	**(15 Lectures)**
इकाई दो -	सूरदास और तुलसीदास।	**(15 Lectures)**
इकाई तीन -	भूषण और मीराबाई।	**(15 Lectures)**
इकाई चार -	बिहारी और घनानंद ।	**(15 Lectures)**

(प्रत्येक 5 पदों की व्याख्या) (कबीर एवं बिहारी के 10 दोहे)

संदर्भ ग्रंथ-

1) विश्वंभर 'मानव', 'प्राचीन कवि', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, नयी दिल्ली, 2009
2) संआचार्य रामचन्द्र शुक्ल ., *जायसी ग्रंथावली*- ना.स.प्र.,वाराणसी,1995
3) विश्वनाथ त्रिपाठी, 'मीरा का काव्य,' वाणी प्रकाशनए-21-,दरियागंज,नयी दिल्ली,2010
4) श्री जगन्नाथदास .'रत्नाकर', 'बिहारी रत्नाकर,' लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, नयी दिल्ली,2015
5) डॉ. शिवकुमार शर्मा, 'हिंदी साहित्य: युग और प्रवृतियाँ', अशोक प्रकाशन,नयी सड़क,दिल्ली,1986
6) कल्याण सिंह शेखावत,'मीरा ग्रंथावली भाग-1,2',वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली,2001

7) डॉ. सी.एल. प्रभात, 'मीरा जीवन और काव्य', राजस्थानी ग्रन्थगार, जोधपुर 1999
8) रघुवंश, 'जायसी एक नयी दृष्टि', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008
9) रघुवंश, 'कबीर एक नयी दृष्टि', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2015
10)डॉ. विजय प्रकाश मिश्र, 'हिंदी के प्रतिनिधि कवि', विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2000

S.Y.B.A - (Semester – IV)
Core Course

Course Title: प्रयोजनमूलक हिंदी: अनुवाद एवं पत्र लेखन
Course Code: UG-HIN-206
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) प्रयोजनमूलक हिंदी का अर्थ, विविध क्षेत्र तथा रोजगार के अवसरों से परिचित कराना।
2) राजभाषा के रूप में हिंदी का विकास एवं राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधानों को समझाना।
3) अनुवाद का स्वरूप एवं प्रकार को समझकर अनुवाद कार्य करने में सक्षम बनाना।
4) व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्र लेखन में निपुण बनाना।

Course Outcome:

1) प्रयोजनमूलक हिंदी का अर्थ, विविध क्षेत्र तथा रोजगार के अवसरों से परिचित होंगे।
2) राजभाषा के रूप में हिंदी का विकास एवं राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधानों को समझेंगे।
3) अनुवाद का स्वरूप एवं प्रकार को समझकर अनुवाद कार्य करने में सक्षम होंगे।
4) व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्र लेखन में निपुण होंगे।

Syllabus:

इकाई एक- **(15 Lectures)**

1) प्रयोजनमूलक हिंदी का सामान्य परिचय।
2) प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध क्षेत्र
3) प्रयोजनमूलक हिंदी और रोजगार के अवसर

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1. राजभाषा के रूप में हिंदी का विकास।
2. राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधान

इकाई तीन- अनुवाद लेखन **(15 Lectures)**

1. अनुवाद : अवधारणा एवं स्वरूप
2. अनुवाद के प्रकार
3. अनुवाद का व्यावहारिक पक्ष

इकाई चार - पत्र लेखन **(15 Lectures)**

1. व्यावसायिक पत्र: पूछताछ, क्रयादेश, अनुस्मारक, शिकायती पत्र।

2. कार्यालयीन पत्रलेखन: कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, परिपत्र, कार्यवृत्त।

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. अंबादास देशमुख ,'प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम', शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
2. विनोद गोदरे ,'प्रयोजनमूलक हिंदी ', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007
3. डॉ माधव सोनटक्के,'प्रयोजनमूलक हिंदी ', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,2008
4. कैलाशचंद्र पाण्डेय, 'प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, 2007
5. डॉ. अर्जुन चव्हाण, मीडिया कालीन हिंदी स्वरूप: और संभावनाएँ,राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली,2005
6. जितेंद्र गुप्त,पत्रकारिता में अनुवाद, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली,2006
7. डॉ. अजयप्रकाश, डॉ. रमेशवर्मा, डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, 'प्रयोजनमूलक हिंदी ', समवेत रामबाग, कानपुर, 2005
8. डॉ. अनिल कुमार तिवारी, 'सरकारी कार्यालयों व बैंकों में प्रयोजनशील हिंदी', विश्वभारती प्रकाशन, नागपुर, 2004
9. प्रो.विराज एम. ए.,'प्रामाणिक आलेखनऔर टिप्पण',राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली, 1978
10. प्रा. विकासपाटिल, 'हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर', ए. बी. एस. पब्लिकेशन, वाराणसी, 2019
11. डॉ. सुरेश सिहल, 'अनुवाद, अवधारणा और आयाम', संजय प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2006

S.Y.B.A - (Semester – IV)
Core Course
Course Title: विशेष अध्ययन: हिंदी कहानी
Course Code: UG-HIN-207
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) हिंदी कहानी की अवधारणा,स्वरूप, तत्व एवं उसकी विकासयात्रा को समझाना।
2) प्रेमचंद की कहानियों का मूल्यांकन कराना।
3) फणीश्वरनाथ रेणु की आंचलिक कहानियों का तात्विक विवेचन कराना।
4) सूर्यबाला की कहानियों की समीक्षा करने में सक्षम बनाना।

Course Outcomes:

1) हिंदी कहानी की अवधारणा,स्वरूप, तत्व एवं उसकी विकासयात्रा को समझेंगे ।
2) प्रेमचंद की कहानियों का मूल्यांकन करेंगे।
3) फणीश्वरनाथ रेणु की आंचलिक कहानियों का तात्विक विवेचन कर सकेंगे।
4) सूर्यबाला की कहानियों की समीक्षा करने में सक्षम होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**
कहानी : स्वरूप एवं तत्व

इकाई दो - मुंशी प्रेमचंद की तीन कहानियाँ **(15 Lectures)**

1. बूढ़ी काकी
2. रामलीला
3. सद्गति

इकाई तीन -फणीशवरनाथ रेणु की तीन कहानियाँ **(15 Lectures)**

1. पंचलाइट
2. लालपान की बेगम
3. ठेस

इकाई चार -सूर्यबाला की तीन कहानियाँ **(15 Lectures)**

1. आखिरी विदा
2. बाऊजी और बंदर
3. होगी जय, होगी जय! हे पुरुषोत्तम नवीन...

संदर्भ ग्रंथ -

1. गोपाल राय,'*हिन्दी कहानी का इतिहास,*'राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद,2008
2. बच्चन सिंह,'*हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास*',राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,2004
3. रामस्वरूप चतुर्वेदी, *'हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2005
4. डॉ.सूर्यबाला की 21 श्रेष्ठ कहानियाँ, डायमंड पब्लिकेशन,दिल्ली
5. डॉ. फणीश सिंह,'*हिन्दी साहित्य: एक परिचय,*राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद,2006
6. डॉ. नगेन्द्र, '*हिन्दी साहित्यका इतिहास'*, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दरियागंज,दिल्ली,1973

S.Y.B.A/B.Sc. - (Semester – IV)
VOC (Vocational Course)
Course Title: अनुवाद: सिद्धांत एवं व्यवहार
Course Code: UG- HIN-VOC-1
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective -

1) अनुवाद का स्वरूप,महत्त्व एवं उसकी आवश्यकता को समझाना।
2) अनुवाद के प्रकार, प्रक्रिया से अवगत कराना।
3) अनुवाद के क्षेत्र एवं उसकी समस्याओं से परिचित कराना।
4) अनूदित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन कराना।

Course Outcome –

1) अनुवाद का स्वरूप,महत्त्व एवं उसकी आवश्यकता को समझेंगे।
2) अनुवाद के प्रकार, प्रक्रिया से अवगत होंगे।
3) अनुवाद के क्षेत्र एवं उसकी समस्याओं से परिचित होंगे।
4) अनूदित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन करने में सक्षम होंगे।

Syllabus

इकाई एक - **(15 Lectures)**

अनुवाद :अवधारणा एवं स्वरूप

अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्त्व

बौद्धिक-सांस्कृतिक आदान-प्रदान (वर्तमान समय) में अनुवाद की भूमिका

इकाई दो - **(15 Lectures)**

अनुवाद के प्रकार – शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, सारानुवाद, आशु अनुवाद

कार्यालयीन अनुवाद, वाणिज्यिक अनुवाद।

अनुवाद की प्रक्रिया

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

अनुवाद के क्षेत्र
अनुवाद की समस्याएँ

इकाई चार- **(15 Lectures)**

अनूदित कृति का व्यावहारिक पक्ष
दो कविताएँ
दो कहानियाँ

संदर्भ सूची :-

1) भोलानाथ तिवारी,‘अनुवाद विज्ञान: सिद्धान्त एवं प्रविधि’, किताबघर प्रकाशन, दरयागंज, नई दिल्ली, 2019
2) डॉ. बालेन्दु शेखर तिवारी,‘अनुवाद विज्ञान’, प्रकाशन संस्थान, 2011
3) डॉ. सुरेश सिहल,'अनुवाद, अवधारणा और आयाम',संजय प्रकाशन,नयी दिल्ली, 2006
4) डॉ. संजीव कुमार जैन,‘अनुवाद विज्ञान’, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल, मध्यप्रदेश,

SEMESTER V

(To be implemented w.e.f. Acad. Year 2025 - 2026)

SEMESTER V

Course Title : **हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)**
(CORE: THEORY)
Course Code : **UG-HIN-301**
Semester : **V**
Credits : **04**
Marks : **100**
Duration : **60** Lectures

Course Objectives:

1) आधुनिक हिंदी साहित्य के काल विभाजन, परिवेश एवं परिस्थितियों से परिचित कराना।
2) स्वतंत्रतापूर्व काव्य एवं उनकी प्रवृत्तियों से अवगत कराना।
3) स्वातंत्र्योत्तर काव्य एवं उनकी प्रवृत्तियों का विवेचन एवं विश्लेषण कराने में सक्षम बनाना।
4) आधुनिक काल की गद्य विधाओं के उद्भव एवं विकास को समझाना।

Course Learning Outcomes:

CLO1: आधुनिक हिंदी साहित्य के काल विभाजन, परिवेश एवं परिस्थितियों से परिचित होंगे।
CLO2: स्वतंत्रतापूर्व काव्य एवं उनकी प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
CLO3: स्वातंत्र्योत्तर काव्य एवं उनकी प्रवृत्तियों का विवेचन एवं विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
CLO4: आधुनिक काल की गद्य विधाओं के उद्भव एवं विकास को समझेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. आधुनिक काल: पृष्ठभूमि।
2. आधुनिक काल: काल विभाजन एवं परिवेश।

इकाई दो – **(15 Lectures)**

1. भारतेन्दु युगीन कविता।
2. द्विवेदी युगीन कविता।
3. छायावादी कविता।
4. प्रगतिवादी कविता।

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

1. प्रयोगवादी कविता।
2. नई कविता।
3. साठोत्तरी कविता।
4. समकालीन कविता।

इकाई चार - **(15 Lectures)**

1. हिंदी कहानी का विकास।
2. हिंदी उपन्यास का विकास।
3. हिंदी नाटक का विकास।
4. हिंदी निबंध का विकास।

(उपरोक्त काव्य धाराओं/ विधाओं का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ)

संदर्भ

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल,'हिंदी साहित्य का इतिहास' प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, 2003
2. डॉ. रमेश चंद्र शर्मा,'हिंदी साहित्य का इतिहास' विद्या प्रकाशन, गुजैनी, कानपुर, 2002
3. डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त,'हिंदी साहित्येतिहास' अटलांटिक प्रकाशन एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली,1989
4. राजनाथ शर्मा,'हिंदी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास' विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा,1978
5. डॉ. नगेन्द्र,'हिंदी साहित्यका इतिहास',नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, दिल्ली, 1973
6. डॉ.शिवकुमार शर्मा,'हिंदी साहित्य:युग और प्रवृत्तियाँ',अशोक प्रकाशन,नयी सड़क, दिल्ली,1970

Course Title : **भारतीय काव्यशास्त्र**
(CORE: THEORY)
Course Code : **UG-HIN-302**
Semester : **V**
Credits : **04**
Marks : **100**
Duration : **60** Lectures

Course Objectives:

1) काव्य की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित कराना।
2) रस एवं अलंकार सिद्धांत का विवेचन कराना ।
3) ध्वनि एवं रीति सिद्धांत का विश्लेषण करने में सक्षम बनाना ।
4) वक्रोक्ति एवं औचित्य सिद्धांत को समझाना।

Course Learning Outcomes:

CLO1: काव्य की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे।
CLO2: रस एवं अलंकार सिद्धांत का विवेचन करेंगे।
CLO3: ध्वनि एवं रीति सिद्धांत का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
CLO4: वक्रोक्ति एवं औचित्य सिद्धांत को समझेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. काव्य की परिभाषा एवं स्वरूप।
2. काव्य के भेद।
3. काव्य के तत्व।
4. काव्य के हेतु।
5. काव्य-प्रयोजन।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1. रस सिद्धांत - सामान्य परिचय।
2. अलंकार सिद्धांत - सामान्य परिचय।

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

1. ध्वनि सिद्धांत - सामान्य परिचय।

2. रीति सिद्धांत - सामान्य परिचय।

इकाई चार- **(15 Lectures)**

1. वक्रोक्ति सिद्धांत - सामान्य परिचय।
2. औचित्य सिद्धांत - सामान्य परिचय।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. भगीरथ मिश्र,'काव्यशास्त्र' विश्वविद्यालय प्रकाशन ,वाराणसी, 1970
2. डॉ. कन्हैयालाल अवस्थी,'काव्यशास्त्र भारतीय एवं पाश्चात्य', आशीष प्रकाशन, कानपुर, 2012
3. जयचंद्र राय,'आचार्य रामचन्द्र शुक्ल: सिद्धांत और साहित्य', भारती साहित्य मंदिर, दिल्ली,1963
4. डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित,'रस सिद्धांत:स्वरूप-विश्लेषण',राजकमल प्रकाशन,दिल्ली,1972
5. डॉ. संजय नवले,'साहित्यशास्त्र', दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर्स,कानपुर,2009
6. बलदेव उपाध्याय,'भारतीय साहित्यशास्त्र', प्रसाद परिषद, काशी,1955

Course Title : **हिंदी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रॉनिक**
(CORE: THEORY)
Course Code : **UG-HIN-303**
Semester : **V**
Credits : **04**
Marks : **100**
Duration : **60** Lectures

Course Objectives:
1) हिंदी पत्रकारिता की अवधारणा एवं स्वरूप से अवगत कराना।
2) पत्रकारिता के प्रकार एवं पत्रकारिता संबंधी कानून को समझाना।
3) हिंदी की मुद्रित पत्रकारिता से परिचित कराना।
4) हिंदी की इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता का विवेचन एवं विश्लेषण कराना।

Course Learning Outcome:
CLO1: हिंदी पत्रकारिता की अवधारणा एवं स्वरूप से अवगत होंगे ।
CLO2: पत्रकारिता के प्रकार एवं पत्रकारिता संबंधी कानून को समझने में सक्षम होंगे।
CLO3: हिंदी की मुद्रित पत्रकारिता से परिचित होंगे ।
CLO4: हिंदी की इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता का विवेचन एवं विश्लेषण करेंगे।

Syllabus:

इकाई एक- **(15 Lectures)**

1. पत्रकारिता का सामान्य परिचय।
2. पत्रकारिता का स्वरूप एवं महत्त्व।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1. पत्रकारिता के विविध प्रकार (खेल पत्रकारिता, मनोरंजन पत्रकारिता, खोजी पत्रकारिता, आर्थिक पत्रकारिता, बाल पत्रकारिता, महिला पत्रकारिता)।
2. पत्रकारिता संबंधी कानून।

इकाई तीन- हिंदी मुद्रित पत्रकारिता का उद्भव और विकास। **(15 Lectures)**

1. स्वतंत्रतापूर्व हिंदी पत्रकारिता।
2. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी पत्रकारिता।
3. संचार क्रांति के बाद की पत्रकारिता।

इकाई चार - हिंदी की इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता। **(15 Lectures)**
क) रेडियो पत्रकारिता

ख) टेलीविज़न पत्रकारिता
ग) इंटरनेट पत्रकारिता
घ) सोशल मीडिया (फेसबूक, ट्विटर, वाट्सएप, ब्लॉग, यूट्यूब)

संदर्भ ग्रंथ-

1. कैलाशनाथ पाण्डेय,'प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका',लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007
2. डॉ.अंबादास देशमुख,'प्रयोजनमूलक हिंदी के अधुनातन आयाम',शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
3. डॉ.रामप्रकाश, डॉ. दिनेशगुप्त, 'प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिंदी', राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014
4. एन. सी. पंत, 'पत्रकारिता का इतिहास' तक्षशिला प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, नई
1. दिल्ली, 2002
5. सविता चड्ढा, 'हिंदी पत्रकारिता: सिद्धांत और स्वरूप' तक्षशिला प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली,1995
6. डॉ. अजय प्रकाश, डॉ. रमेश वर्मा, 'प्रयोजनमूलक हिंदी' समवेत प्रकाशन, रामबाग, कानपुर, 2005

Course Title : **ई-पत्रकारिता**
(VOCATIONAL: THEORY)
Course Code : **UG-HIN-VOC 2**
Semester : **V**
Credits : **04**
Marks : **100**
Duration : **60** Lectures

Course Objectives: -

1) ई-पत्रकारिता की अवधारणा, उद्भव एवं विकास, विशेषताएँ तथा महत्त्व से अवगत कराना।
2) ई-पत्रकारिता के प्रकारों की जानकारी देना।
3) ई-पत्रकारिता की कार्यप्रणाली, उपकरण एवं कानून को समझाना।
4) ई-पत्रकारिता के व्यावहारिक कार्य करने में सक्षम बनाना।

Course Learning Outcomes: -

CLO1: ई-पत्रकारिता की अवधारणा, उद्भव एवं विकास, विशेषताएँ तथा महत्त्व से अवगत होंगे।
CLO2: ई-पत्रकारिता के प्रकारों की जानकारी प्राप्त होगी।
CLO3: ई-पत्रकारिता की कार्यप्रणाली, उपकरण एवं कानून को समझेंगे।
CLO4: ई-पत्रकारिता के व्यावहारिक कार्य करने में सक्षम होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - ई-पत्रकारिता : अवधारणा, उद्भव एवं विकास। **(15 Lectures)**
ई- पत्रकारिता: विशेषता एवं महत्त्व।

इकाई दो- ई-पत्रकारिता: प्रकार **(15 Lectures)**
क) रेडियो पत्रकारिता
ख) टेलीविज़न पत्रकारिता
ग) इंटरनेट पत्रकारिता

इकाई तीन - ई-पत्रकारिता की कार्यप्रणाली। **(15 Lectures)**
ई-पत्रकारिता के उपकरण।
ई-पत्रकारिता संबंधी कानून।

इकाई चार - ई-पत्रकारिता का व्यावहारिक पक्ष। **(15 Lectures)**

1. स्क्रिप्ट लेखन
2. ब्लॉग लेखन
3. वीडियो एडिटिंग
4. रील मेकिंग
5. ई-डिजाइनिंग

संदर्भ ग्रंथ-

1. सविता चड्ढा, 'हिंदी पत्रकारिता: सिद्धांत और स्वरूप' तक्षशिला प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली,1995
2. एन. सी. पंत,'पत्रकारिता का इतिहास' तक्षशिला प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, 2002
3. डॉ. अजय प्रकाश, डॉ. रमेश वर्मा,'प्रयोजनमूलक हिंदी' समवेत प्रकाशन, रामबाग, कानपुर, 2005
4. डॉ.अंबादास देशमुख,'प्रयोजनमूलक हिंदी के अधुनातन आयाम',शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
5. डॉ.रामप्रकाश,डॉ.दिनेशगुप्त,'प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिंदी',राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014

SEMESTER VI

Course Title : **पाश्चात्य काव्यशास्त्र**
(COURSE: THEORY)
Course Code : **UG-HIN-304**
Semester : **VI**
Credits : **04**
Marks : **100**
Duration : **60** Lectures

Course Objectives:

1) प्लेटो और अरस्तू के साहित्य संबंधी विचारों से अवगत कराते हुए तुलना कराना।
2) मैथ्यू आरनाल्ड और टी.एस.इलिएट के सिद्धांतों का विश्लेषण कराना।
3) क्रोचे और लोंजाइनस के सिद्धांतों का विवेचन कराना।
4) आइ ए रिचर्ड्स और कार्ल मार्क्स के साहित्य संबंधी सिद्धांतों की समीक्षा कराना।

Course Learning Outcome:

CLO 1: प्लेटो और अरस्तू के साहित्य संबंधी विचारों से अवगत होकर तुलना करने में सक्षम होंगे।
CLO 2: मैथ्यू आरनाल्ड और टी.एस. इलिएट के सिध्दांतों का विश्लेषण करेंगे।
CLO 3: क्रोचे और लोंजाइनस के सिध्दांतों का विवेचन करेंगे।
CLO 4: आइ.ए.रिचर्ड्स और कार्ल मार्क्स के साहित्य संबंधी सिध्दांतों की समीक्षा करेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. प्लेटो
2. अरस्तू

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1. मैथ्यू आरनाल्ड
2. टी.एस.इलिएट

इकाई तीन- **(15 Lectures)**

1. क्रोचे
2. लोंजाइन्स

इकाई चार- **(15 Lectures)**

1. आइ.ए.रिचर्ड्स
2. कार्ल मार्क्स

संदर्भ ग्रंथ:

1. देवेन्द्रनाथ शर्मा, 'पाश्चात्य काव्य शास्त्र',मयूर पेपरबैक्स, नोएडा- 201301
2. डॉ॰ करुणाशंकर उपाध्याय, 'पाश्चात्य काव्य चिंतन', राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा॰ लि॰, नई दिल्ली
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र अधुनातन संदर्भ :, सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश, संस्करण, 2003
4. डॉ. शिव कुमार मिश्र,'नया हिंदी काव्य',अनुसंधान प्रकाशन, आचार्यनगर, कानपुर, 1962
5. डॉ. कन्हैयालाल अवस्थी, 'काव्यशास्त्र :भारतीय एवं पाश्चात्य', आशीष प्रकाशन, कानपुर, 2012
6. नन्ददुलारे वाजपेयी,'नया साहित्य नए प्रश्न', विद्यामन्दिर प्रेस, मानमंदिर, वाराणसी, 1959
7. मुद्रारक्षस, 'साहित्य समीक्षा', नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1963
8. शांतिस्वरूप गुप्त,'पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत',अशोक प्रकाशन, दिल्ली,अशोक प्रकाशन संस्करण,1997
9. डॉ. ब्रह्मदत्तशर्मा,'पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत', लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019

Course Title : **हिंदी उपन्यास**
(COURSE: THEORY)
Course Code : **UG-HIN-305**
Semester : **VI**
Credits : **04**
Marks : **100**
Duration : **60** Lectures

Course Objectives:

1) उपन्यास के स्वरूप,तत्व एवं विकासक्रम से परिचित कराना।
2) हिंदी रचनाकारों का सामान्य परिचय प्राप्त कराना ।
3) 'गंगामैया' उपन्यास के माध्यम से ग्रामीण परिवेश की विभिन्न परिस्थितियों का विवेचन कराना।
4) 'दौड़' उपन्यास के माध्यम से उसकी मूल संवेदना एवं भूमंडलीकरण की अवधारणा को समझाना।

Course Learning Outcome:

CLO1: उपन्यास के स्वरूप, तत्व एवं विकासक्रम से परिचित होंगे।
CLO2: हिंदी रचनाकारों का सामान्य परिचय प्राप्त होगा।
CLO3:'गंगामैया' उपन्यास के माध्यम से ग्रामीण परिवेश की विभिन्न परिस्थितियों विवेचन करेंगे।
CLO4:'दौड़' उपन्यास के माध्यम से उसकी मूल संवेदना एवं भूमंडलीकरण की अवधारणा को समझने में सक्षम होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**
उपन्यास: अवधारणा एवं स्वरूप।
उपन्यास के तत्व।

इकाई दो - दस रचनाकारों का सामान्य परिचय**।** **(15 Lectures)**
प्रेमचंद, जैनेन्द्र, अज्ञेय, नागार्जुन, भीष्म सहानी, फणीशवरनाथ रेणु, यशपाल, ममता कालिया, मैत्रयी पुष्पा, रणेन्द्र।

इकाई तीन - **(15 Lectures)**
गंगा मैया - भैरवप्रसाद गुप्त

इकाई चार- **(15 Lectures)**
दौड़ – ममता कालिया

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. रामलखन शुक्ल, 'हिंदी उपन्यास कला', सन्मार्ग प्रकाशन, बैंगलौ रोड, दिल्ली, 1972
2. डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त, 'हिंदी साहित्य:प्रकीर्ण विचार', शोक प्रकाशन, नई सड़क, दिल्ली, 1967
3. डॉ. रामनारायण सिंह, 'मधुर हिंदी के ऐतिहासिक उपन्यास', ग्रंथम, रामबाग, कानपुर, 1971
4. डॉ.ज्ञान अस्थाना, 'हिंदी उपन्यासों में ग्राम समस्याएँ', जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 1979
5. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, 'हिंदी कथा साहित्य',ग्रंथ- हिंदी रत्नाकर कार्यालय,बंबई, 1954

Course Title **: हिंदी भाषा, लिपि एवं व्याकरण**
(COURSE: THEORY)
Course Code **: UG-HIN-306**
Semester **: VI**
Credits **: 04**
Marks **: 100**
Duration **: 60** Lectures

Course Objectives:

1) हिंदी भाषा की पृष्ठभूमि एवं उसके विकास से परिचित कराना।
2) देवनागरी लिपि के स्वरूप एवं मानकीकरण का ज्ञान प्राप्त कराना।
3) हिंदी के स्वर-व्यंजन, विकारी एवं अविकारी शब्दों से संबंधित ज्ञान प्राप्त कराना।
4) संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया के रूपान्तरण को समझाना।

Course Learning Outcome:

CLO1: हिंदी भाषा की पृष्ठभूमि एवं उसके विकास से परिचित होंगे।
CLO2: देवनागरी लिपि के स्वरूप एवं मानकीकरण का ज्ञान प्राप्त होगा।
CLO3: हिंदी के स्वर-व्यंजन, विकारी एवं अविकारी शब्दों से संबंधित ज्ञान प्राप्त होगा।
CLO4: संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया के रूपान्तरण को समझने में सक्षम होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. भाषा : प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक आर्यभाषाएँ।
2. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1. देवनागरी लिपि का उद्भव एवं विकास।
2. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ।
3. देवनागरी लिपि का मानकीकरण।

इकाई तीन- **(15 Lectures)**

1. ध्वनि : स्वर एवं व्यंजन।
2. शब्दसाधन : विकारी एवं अविकारी शब्दों का सामान्य परिचय।
3. पदक्रम एवं अध्याहार।

इकाई चार - **(15 Lectures)**

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया का रूपान्तरण।

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. ब्रज किशोर प्रसाद सिंह,'हिंदी व्याकरण', नमन प्रकाशन, दरियागंज,दिल्ली, 2009
2. कामताप्रसाद गुरु, हिंदी व्याकरण', हिंदी -मराठी प्रकाशन, नागपुर, 2011
3. डॉ. हरदेव बाहरी, व्यावहारिक हिंदी व्याकरण', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1997
4. श्री शरण, ' हिंदी-अशुद्धियाँ संदर्भ शोधन', प्रेम प्रकाशन मंदिर, दिल्ली, 1997
5. डॉ. विजय लक्ष्मण वर्धे, 'अत्यावश्यक हिंदी व्याकरण', फडके बुक सेलर्स, कोल्हापुर, 1993

Course Title : **मनोरंजन क्षेत्र और हिंदी**
(VOCATIONAL: THEORY)
Course Code : **UG-HIN-VOC 3**
Semester : **VI**
Credits : **04**
Marks : **100**
Duration : **60** Lectures

Course Objectives:

1) मनोरंजन का अर्थ, स्वरूप एवं महत्त्व से अवगत कराना।
2) रेडियो में हिंदी भाषा के प्रयोग का महत्त्व समझाना ।
3) टेलीविज़न एवं सिनेमा में प्रयुक्त हिंदी भाषा से परिचित कराना।
4) सोशल मीडिया में प्रयुक्त हिंदी भाषा का विवेचन एवं विश्लेषण कराना।

Course Learning Outcomes:

CLO1: मनोरंजन का अर्थ, स्वरूप एवं महत्त्व से अवगत होंगे।
CLO2: रेडियो में हिंदी भाषा के प्रयोग का महत्त्व समझेंगे।
CLO3: टेलीविज़न एवं सिनेमा में प्रयुक्त हिंदी भाषा से परिचित होंगे।
CLO4: सोशल मीडिया में प्रयुक्त हिंदी भाषा का विवेचन एवं विश्लेषण करेंगे।

Syllabus:

इकाई एक- मनोरंजन की भाषा के रूप में हिंदी। **(15 Lectures)**
मनोरंजन का अर्थ एवं स्वरूप।
मनोरंजन एवं भाषा की संप्रेषणीयता।
मनोरंजन की भाषा और विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं का सम्मिश्रण।

इकाई दो- रेडियो एवं हिंदी भाषा। **(15 Lectures)**
एफ़ एम चैनलों की हिंदी।
आकाशवाणी के अन्य चैनलों की हिंदी।
रेडियो समाचारों की भाषा।
रेडियो के अन्य कार्यक्रमों में प्रयुक्त हिंदी।

इकाई तीन- टेलीविज़न एवं हिंदी भाषा। **(15 Lectures)**
धारावाहिकों एवं रियालिटी-शो में प्रयुक्त हिंदी।
टेलीविज़न समाचारों की भाषा।
सिनेमा में हिंदी।

फिल्मी गीतों में हिंदी।

इकाई चार- सोशल मीडिया और हिंदी भाषा। **(15 Lectures)**
यूट्यूब और हिंदी।
ट्विटर, वाट्सएप एवं इन्स्टाग्राम में प्रयुक्त हिंदी।
ब्लॉग और फेसबूक में प्रयुक्त हिंदी।

संदर्भ ग्रंथ-

1. सविता चड्ढा,'हिंदी पत्रकारिता: सिद्धांत और स्वरूप' तक्षशिला प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली,1995
2. एन. सी. पंत,'पत्रकारिता का इतिहास' तक्षशिला प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, 2002
3. डॉ. अजय प्रकाश, डॉ.रमेश वर्मा, 'प्रयोजनमूलक हिंदी' समवेत प्रकाशन, रामबाग , कानपुर, 2005
4. डॉ.अंबादास देशमुख,'प्रयोजनमूलक हिंदी के अधुनातन आयाम', शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
5. डॉ.रामप्रकाश,डॉ. दिनेशगुप्त, 'प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिन्दी', राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली, 2014
6. सिनेमा: कल आज और कल, विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन, 2005
7. हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र, जवरीमल्ल पारेख, ग्रन्थ शिल्पी, 2006

****